संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

■ वर्ष -17 ■ अंक-124 ■ रायपुर, गुरुवार 01 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-1.50 रुपये

आज का पंचांग



तिथि : पंचमी
नक्षत्र : रोहिणी
प्रथम करण : तैतिल
द्वितीय करण : गारा
पक्ष : कृष्ण
वार : गुरुवार
योग : सिद्धि
सूर्योदय : 06:14
सूर्यास्त : 18:00
चंद्रमा : वृषभ राशि में
राहुकाल : 13:35 - 15:03
विक्रमी संवत् : 2083
शक संवत : 1948
मास : आश्विन
शुभ मुहूर्त अभिजीत : 11:43 - 12:30

निर्माण कार्य के दौरान ढहा मकान, 1 की मौत, 2 घायल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के शाहदरा के ताहिर पुर इलाके में मकान में रिनोवेशन के दौरान अचानक मकान का एक हिस्सा भरभराकर गिर गया और मलबे में कुछ लोग दब गए। इस दर्दनाक हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि अन्य दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। दमकल विभाग की टीमों के पहुंचने से पहले स्थानीय लोगों ने मलबे से तीन लोगों को बाहर निकालकर राजीव गांधी कैंसर अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करा दिया। मृतक की पहचान सतीश के रूप में हुई है, जो ताहिरपुर गांव में एक मकान से बेकरी चलाता था। दमकल विभाग को शाम करीब 4:55 बजे हादसे की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां और राहत-बचाव दल तुरंत मौके के लिए रवाना हुए। फॉयर विभाग के मुताबिक एक व्यक्ति की मौत की पुष्टि हुई है बाकी दो का घायल अवस्था में इलाज जारी है।वहीं दमकल विभाग की ओर से मौके पर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

तालाब में मिला हाथी शावक का शव

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में बुधवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब तमनार वन परिक्षेत्र के छैडोरिया गांव के नजदीक स्थित एक तालाब में हाथी शावक का शव मिला। तालाब में हाथी के बच्चे का शव देख ग्रामीणों में चिंता और दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालने के साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह छैडोरिया गांव के कुछ ग्रामीण तालाब की ओर गए थे। इसी दौरान उनकी नजर तालाब में पड़े हाथी शावक के शव पर पड़ी।

ग्रामीणों ने तत्काल इसकी जानकारी वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण किया।

फिलहाल हाथी शावक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। वन विभाग की टीम मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। तमनार क्षेत्र में पिछले कुछ समय से हाथियों की लगातार आवाजाही बनी हुई है। ऐसे में शावक की मौत को लेकर वन विभाग द्वारा आसपास के क्षेत्र में हाथियों की मौजूदगी और उनकी गतिविधियों की भी जानकारी ली जा रही है।

छत्तीसगढ़ कैबिनेट बैठक में लिए गए बड़े फैसले

'हनुमान अंश' छत्तीसगढ़ में टैक्स फ्री, पूर्व अग्निवीरों को मिलेगा नौकरी में 10% आरक्षण

रायपुर ■ दैनन्दिनी



मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित हुई। बैठक में अतिथि व्याख्याताओं की नियुक्ति नीति में बदलाव, फिल्म 'हनुमान अंश' को टैक्स फ्री करने से जुड़े आदेश का अनुसमर्थन और पूर्व अग्निवीर सैनिकों के लिए आरक्षण लागू करने संबंधी नियमों समेत कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए।

अतिथि व्याख्याता नीति-2026 को कार्योत्तर मंजूरी

मंत्रिपरिषद ने प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में लागू अतिथि व्याख्याता नीति-2024 में संशोधन के बाद जारी संशोधित नीति-2026 का कार्योत्तर अनुमोदन किया। संशोधित नीति में मेरिट सूची को लेकर व्यवस्था को और स्पष्ट किया गया है।

इसके तहत यदि मेरिट सूची में एक ही श्रेणी के दो अभ्यर्थियों के अंक समान रहते हैं, तो छत्तीसगढ़ के मूल निवासी अभ्यर्थी को वरीयता दी जाएगी।

अनुभव के आधार पर मिलने वाले अंकों की व्यवस्था में भी बदलाव किया गया है। अधिकतम 30 अनुभव अंकों के प्रावधान के तहत अब शासकीय महाविद्यालय के अलावा राजकीय विश्वविद्यालय में किसी एक शैक्षणिक सत्र में न्यूनतम पांच माह अध्यापन कार्य पूरा करने वाले अभ्यर्थी को 5 अंक दिए जाएंगे। पूर्व की नीति में राजकीय विश्वविद्यालय में प्राप्त अध्यापन अनुभव के लिए इस लाभ का स्पष्ट प्रावधान नहीं था।

विस्थापित अतिथि व्याख्याताओं को पुनर्नियोजन का अवसर

कैबिनेट ने शासकीय महाविद्यालयों के साथ राजकीय विश्वविद्यालयों से विस्थापित अतिथि व्याख्याताओं के कार्यानुभव का उपयोग करते हुए उन्हें रिक्त पदों पर पुनर्नियोजन का अवसर देने का भी निर्णय लिया है।

इसके अलावा अतिथि व्याख्याताओं के मानदेय को लेकर चली आ रही विसंगतियों को दूर करने के लिए कालखंड आधारित व्यवस्था के स्थान पर कार्य-दिवस आधारित मानदेय व्यवस्था लागू की जाएगी।

अतिथि व्याख्याताओं और अन्य अतिथि शैक्षणिक अमले के कार्य-दायित्व, कार्य-अवधि तथा आकस्मिक अवकाश से जुड़े प्रावधानों को भी संशोधित नीति में स्पष्ट किया गया है।

'हनुमान अंश' के प्रदर्शन पर SGST के बराबर राशि की होगी प्रतिपूर्ति

कैबिनेट ने फिल्म 'हनुमान अंश' को टैक्स फ्री किए जाने से संबंधित निर्णय का भी अनुसमर्थन किया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 10 सितंबर 2026 को फिल्म को टैक्स फ्री किए जाने की घोषणा की थी।

इस घोषणा के अनुपालन में फिल्म के प्रदर्शन पर दर्शकों से प्रवेश के लिए देय राज्य माल एवं सेवा कर (SGST) के समतुल्य धनराशि की प्रतिपूर्ति सिनेमाघरों को किए जाने के लिए वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा जारी आदेश का मंत्रिपरिषद ने अनुसमर्थन किया।

पूर्व अग्निवीरों को तृतीय श्रेणी पदों पर 10% आरक्षण

मंत्रिपरिषद ने पूर्व अग्निवीर सैनिकों को राज्य की सिविल सेवाओं के तृतीय श्रेणी पदों पर दिए जाने वाले 10 प्रतिशत आरक्षण को लागू करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

सरकार पहले ही पूर्व अग्निवीरों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान कर चुकी है। इसके तहत पुलिस विभाग में आरक्षक, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में वनरक्षक तथा जेल विभाग में जेल प्रहरी के पदों पर पूर्व अग्निवीरों को आरक्षण का लाभ मिलेगा।

आरक्षण को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए छत्तीसगढ़ लोक सेवा पूर्व अग्निवीर सैनिक भर्ती नियम, 2026 तैयार किए गए हैं। कैबिनेट ने इन नियमों को मंजूरी दे दी है। इन नियमों में पूर्व अग्निवीरों की नियुक्ति और सेवा शर्तों के साथ भर्ती के मापदंड, आरक्षण तथा चयन प्रक्रिया को निर्धारित किया गया है।

सड़क हादस में 3 युवकों की मौत, 1 घायल

महासमुंद ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के नेशनल हाईवे-53 पर कांपा गांव के पास मंगलवार को भीषण सड़क दुर्घटना में 3 युवकों की मौत हो गई. तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर के परखच्चे उड़ गए. हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल है, जिसका अस्पताल में इलाज जारी है. घटना के बाद फरार ट्रक चालक की तलाश में पुलिस जुटी हुई है. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टक्कर से ट्रैक्टर सड़क से उछलकर करीब 30 मीटर दूर जाकर पलट गया. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई. दुर्घटना में ट्रैक्टर सवार रामेश्वर साहू (32 वर्ष) और सुमित कुमार रात्रे (21 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं राहुल बंजारे (24 वर्ष) व गोवर्धन यादव (24 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए. जानकारी मिलने पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची. शवों को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया. वहीं दो घायलों को इलाज के लिए अस्पताल रवाना किया गया. जहां राहुल ने भी दम तोड़ दिया. फिलहाल गोवर्धन का उपचार जारी है. थाना प्रभारी विनोद कश्यप ने बताया तुमगांव कि ग्राम कांपा निवासी चार युवक ट्रैक्टर क्रमांक सीजी-04 एनए-9789 से बिरकोनी जा रहे थे. सुबह लगभग 6 बजे उनका ट्रैक्टर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित शेरे पंजाब ढाबा के पास जैसे ही पहुंचा, इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी.

मोदी सरकार की कैबिनेट बैठक में लिए गए 3 बड़े फैसले

नई दिल्ली ■ एजेंसी



केंद्रीय मंत्रिमंडल की एक अहम बैठक बुधवार को हुई। इस बैठक में तीन बड़े फैसले लिए गए। एक फैसला किसानों के हित में है तो दूसरे फैसले का असर ग्रीन एनर्जी सेक्टर पर पड़ेगा। इसके अलावा, तीसरा फैसला किसके लिए है, आइए सब जान लेते हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रबी विपणन सत्र 2027-28 के लिए गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 25 रुपये बढ़ाकर 2,610 रुपये प्रति क्विंटल करने को मंजूरी दी। गेहूं का एमएसपी रबी विपणन सत्र 2026-27 में 2,585 रुपये प्रति क्विंटल रखा गया था। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाए जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गेहूं की उत्पादन लागत 1,264 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि नए सत्र के लिए एमएसपी 2,610 रुपये रखा गया है। सरकार ने 2027-28 सत्र के लिए गेहूं के अलावा पांच अन्य रबी फसलों के लिए भी एमएसपी बढ़ाने का फैसला किया है। जौ का एमएसपी 136 रुपये बढ़ाकर 2,286 रुपये, चने का 83 रुपये बढ़ाकर 5,958 रुपये और मसूर का 390 रुपये बढ़ाकर 7,390 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है।

इसी तरह, रैपसीड-सरसों का एमएसपी 413 रुपये बढ़ाकर 6,613 रुपये और कुसुम का 675 रुपये बढ़ाकर 7,215 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। वैष्णव ने कहा कि 2027-28 के रबी विपणन सत्र में 324 लाख टन फसल की अनुमानित खरीद पर किसानों को कुल 90,962 करोड़ रुपये का भुगतान किए जाने का अनुमान है।

बता दें कि एमएसपी तय करने में कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों को आधार बनाया गया है। इसमें उत्पादन लागत के अलावा अल-नीनो की आशंका तथा घरेलू एवं वैश्विक कीमतों के रुझान को भी ध्यान में रखा गया है। सरकार ने 2026-27 फसल वर्ष (जुलाई-जून) में गेहूं का उत्पादन लक्ष्य 12.1 करोड़ टन रखा है। प्रमुख रबी फसल गेहूं की बुवाई आम तौर पर अक्टूबर से शुरू होती है और कटाई अप्रैल से शुरू होती है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को तीसरे चरण की हरित ऊर्जा गलियारा योजना को मंजूरी दे दी। इस पर कुल 1.86 लाख

'तेजाब हमले के पीड़ितों को ट्रेन की यात्रा में दें रियायत'

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को दी सलाह



नई दिल्ली (एजेंसी)। तेजाब हमला पीड़ितों को रेल यात्रा में रियायत मामले की आज (बुधवार को) सुप्रीम कोर्ट में चर्चा हुई। सुप्रीम कोर्ट ने आज (बुधवार को) कहा कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग को तेजाब के हमले के पीड़ितों को ट्रेन की यात्रा में रियायत देने की पॉलिसी तैयार करने में सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए, ताकि वे अपने इलाज के लिए बेहतर सुविधाओं वाले हॉस्पिटल्स तक सफर कर सकें। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की बेंच ने इस दलील पर गौर किया कि केंद्र सरकार ने याचिकाकर्ता NGO अतिजीवन सोसाइटी सहित अन्य संबंधित पक्षों से विचार-विमर्श के बाद पॉलिसी का एक मसौदा तैयार किया है। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग को भी अंतिम नीति तैयार करने के प्रोसेस में शामिल किया जाना चाहिए। इसके बाद बेंच ने इस केस को आगे की सुनवाई के लिए लिस्ट कर दिया। इससे पहले 13 अगस्त को केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि वह तेजाब हमला पीड़ितों को ट्रेन के किराए में रियायत देने के लिए पॉलिसी बनाने पर सैद्धांतिक तौर पर सहमत है।

सुप्रीम कोर्ट ने रेल मंत्रालय से इस केस में उदारतापूर्वक रियायत देने पर विचार करने को कहा था।

नक्सलियों का छिपाया हथियार और कारतूस बरामद

कांकेर ■ एजेंसी



नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता हाथ लगी है. कांकेर-गड़चिरौली (महाराष्ट्र) सीमा पर जंगल-पहाड़ी इलाके में संदिग्ध स्थान पर बुधवार को जवानों ने नक्सल डंप बरमाद किया है. नक्सलियों ने जमीन के नीचे हथियार के साथ प्रिंटर भी छिपा रखा था.

पुलिस के मुताबिक, 29 सितंबर को जिला बल, बीएसएफ और बीडीएस टीम की संयुक्त टीम ने ग्राम दागुनटोला-पुसगटटा के बीच जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में सघन सर्चिंग अभियान चलाया. अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को संदिग्ध स्थान पर नक्सल डंप मिला. तलाशी लेने पर इसमें हथियार और अन्य सामग्री बरामद हुई. पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में कांकेर जिले के संवेदनशील और सीमावर्ती इलाकों में लगातार नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है.

जिला बल के साथ बीएसएफ और बीडीएस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया. अभियान के दौरान सीमावर्ती क्षेत्र में अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए सघन सर्चिंग की जा रही है. अभियान का नेतृत्व बीएसएफ की 94वीं वाहिनी के इंस्पेक्टर एचएन शर्मा और इंस्पेक्टर हनुमान सहाय मीणा ने किया.

पुलिस के अनुसार, नक्सल प्रभावित सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की संयुक्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी.

दिल्ली से आए इंफ्लुएंसर्स ने देखी बदलते बस्तर की तस्वीर

रायपुर ■ दैनन्दिनी

केरलापेंदा में 21 साल बाद खुले श्रीराम मंदिर के द्वार, फिर से सुनाई देने लगी पूजा की घंटियां



कभी जिन रास्तों पर कदम रखने से पहले लोग कई बार सोचते थे, जहां जंगलों के बीच बंदूक की आवाज और बारूदी सुरंगों का डर बस्तर की पहचान बन गया था, उन्हीं इलाकों में अब बदलाव की एक नई कहानी लिखी जा रही है। यह बदलाव केवल सड़कों, सुरक्षा कैंपों या विकास कार्यों में नहीं, बल्कि उन लोगों की जिंदगी में भी दिखाई दे रहा है, जिन्होंने हिंसा का दौर अपनी आंखों से देखा है।

दिल्ली से आए 43 इंफ्लुएंसर्स ने बस्तर भ्रमण के दूसरे दिन सुकमा से जगरगुंडा और केरलापेंदा होते हुए पूवर्ती तक का सफर किया। करीब 13 घंटे से अधिक चले इस सफर में उन्होंने बस्तर के उस चेहरे को करीब से देखा, जो लंबे समय तक देश के सामने नक्सल हिंसा की खबरों के जरिए ही आया। पुनर्वास केंद्र में मुख्यधारा में लौटे पूर्व नक्सलियों से संवाद से लेकर सुरक्षा व्यवस्था को समझने, 'खूनी सड़क' से गुजरने, 76 जवानों की शहादत से जुड़े क्षेत्र को देखने, ग्रामीणों से बातचीत करने, 21 साल तक बंद रहे श्रीराम मंदिर में पहुंचने और अंत में पूवर्ती में हिडमा के परिवार से मिलने तक की यह यात्रा बस्तर के अतीत, वर्तमान और बदलती परिस्थितियों की एक जीवंत तस्वीर बन गई।

सुबह सुकमा पहुंचने के बाद इंफ्लुएंसर्स ने सबसे पहले सुकमा पुनर्वास केंद्र का दौरा किया। यहां उन्होंने आत्मसमर्पण कर हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटे पूर्व नक्सलियों से सीधे संवाद किया। बातचीत में उन्होंने उनके जीवन, आत्मसमर्पण के बाद आए बदलाव और सामान्य जीवन की ओर लौटने के अनुभवों को समझा।

इन चेहरों के पीछे एक लंबा और कठिन अतीत था, लेकिन उनके सामने खड़े होकर संवाद करते इंफ्लुएंसर्स को बस्तर की कहानी का एक ऐसा मानवीय पक्ष दिखाई दिया, जिसे दूर बैठकर समझना आसान नहीं है। यह कहानी केवल बंदूक छोड़ने की नहीं, बल्कि एक सामान्य जिंदगी को दोबारा पाने की कोशिश की भी है।

इसके बाद इंफ्लुएंसर्स ने सुकमा के पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की। उन्होंने क्षेत्र में सुरक्षा, शांति, विकास और प्रशासनिक पहुंच बढ़ाने के प्रयासों के बारे में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने यह समझने की कोशिश की कि बस्तर के दूरस्थ और कभी कठिन माने जाने वाले इलाकों तक सुरक्षा के साथ नागरिक सुविधाओं और विकास की पहुंच किस तरह बढ़ रही है।

सुकमा में ही दल ने साइंस पार्क का भ्रमण किया। जंगलों और संघर्ष की छवि से इतर यह पड़ाव बस्तर की उस तस्वीर से परिचित कराने वाला था, जिसमें शिक्षा, विज्ञान और आधुनिक सुविधाओं के लिए भी जगह बन रही है। इसके बाद सफर तोंगपाल की ओर बढ़ा। भोजन के बाद दल जगरगुंडा के लिए रवाना हुआ। इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा वह मार्ग था, जिसे स्थानीय स्तर पर 'खूनी सड़क' के नाम से जाना जाता है।

इसी रास्ते से गुजरते हुए इंफ्लुएंसर्स ने उस दौर की जानकारी ली, जब यह क्षेत्र लंबे समय तक नक्सली हिंसा और सुरक्षा चुनौतियों का केंद्र रहा। जगरगुंडा पहुंचकर उन्हें उस क्षेत्र के बारे में बताया गया, जो वर्ष 2010 में सुरक्षा बलों के 76 जवानों की शहादत से जुड़े ताड़मेटला हमले की स्मृति से जुड़ा है। 6 अप्रैल 2010 को हुए इस हमले में 76 सीआरपीएफ जवानों की जान गई थी।

यह पड़ाव इंफ्लुएंसर्स के लिए केवल इतिहास जानने का अवसर नहीं था। जिन स्थानों के नाम कभी देशभर में हिंसा की खबरों के साथ सुर्खियों में आते थे, वहां खड़े होकर उस अतीत को समझना उनके लिए बस्तर को एक अलग नजरिए से देखने जैसा था।

लेकिन इसी सफर में उन्हें यह भी महसूस हुआ कि बस्तर की कहानी केवल अतीत में अटकी हुई नहीं है। जगरगुंडा से आगे बढ़ते हुए इंफ्लुएंसर्स केरलापेंदा पहुंचे। यहां उन्होंने ग्रामीणों से संवाद किया और क्षेत्र में आए बदलावों के बारे में जाना। केरलापेंदा में उनका सामना बस्तर की इस बदलती तस्वीर के सबसे मार्मिक प्रतीकों में से एक श्रीराम मंदिर से हुआ। यह वही मंदिर है, जो डर और भय से करीब 21 वर्षों तक बंद रहा था। मंदिर में भगवान श्रीराम, माता सीता और भगवान लक्ष्मण की संगमरमर की प्रतिमाएं स्थापित हैं। वर्ष 2003 में माओवादी प्रभाव के दौर में ग्रामीणों को मंदिर बंद रखने और वहां पूजा-अर्चना न करने का फरमान दिया गया था।

भय का ऐसा वातावरण था कि लोग मंदिर के आसपास जाने से भी बचते थे। मंदिर में पूजा करीब 21 वर्षों तक बंद रही। फिर अप्रैल 2024 में परिस्थितियां बदलीं। सुरक्षा बलों की मौजूदगी और ग्रामीणों के सहयोग से मंदिर की सफाई की गई। करीब 21 वर्षों से बंद मंदिर के कपाट फिर खुले।

'जासूस मत बनिए', गोविंदा-कोमल रानी की डेटिंग की चर्चाओं पर भड़कीं कुब्रा सैत, गोविंदा के सपोर्ट में उठाए सवाल

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा की निजी जिंदगी पिछले कुछ समय से लगातार चर्चा में है। अभिनेत्री और उनकी को-स्टार कोमल रानी स्वर्णकार के साथ अभिनेता की कई मौकों पर मौजूदगी ने उनके रिश्ते को लेकर अफवाहों को हवा दी है। दोनों को एयरपोर्ट से लेकर मुंबई के लालबागचा राजा तक साथ देखा गया, जिसके बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की अटकलें लगाई जाने लगीं। इस बीच अभिनेत्री कुब्रा सैत ने गोविंदा के बचाव में आवाज उठाई है। उन्होंने इन चर्चाओं को महज गॉसिप बताते हुए लोगों से किसी की निजी जिंदगी पर फैसला सुनाने से बचने की अपील की है।

बुधवार को कुब्रा सैत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया। इसमें उन्होंने गोविंदा और कोमल रानी को लेकर चल रही चर्चाओं पर सवाल उठाए। कुब्रा ने कहा कि आखिर लोग कब किसी कलाकार के फैन से उसकी निजी जिंदगी की जांच-पड़ताल करने वाले बन गए। उन्होंने गोविंदा को याद करते हुए कहा कि वह खुद उनकी फिल्में देखकर बड़ी हुई हैं और उनके लिए अभिनेता 90 के दशक के बड़े सुपरस्टार, आइकन और लीजेंड रहे हैं। कुब्रा ने कहा कि आज अगर कोई महिला किसी अभिनेता के आसपास नजर आ जाए या उसके साथ दिखाई दे, तो तुरंत उसे 'मिस्ट्री वुमन' या 'कथित गर्लफ्रेंड' कहना शुरू कर दिया जाता है। उन्होंने सवाल किया कि आखिर ऐसी बातों का निष्कर्ष कौन निकाल रहा है और किस आधार पर किसी के रिश्ते को लेकर इस



तरह की धारणाएं बनाई जा रही हैं।

कुब्रा ने साफ किया कि वह गोविंदा को व्यक्तिगत तौर पर नहीं जानतीं, लेकिन उनकी पत्नी सुनीता आहूजा से उनकी मुलाकात हो चुकी है। उन्होंने सुनीता को मजाकिया, बेबाक और शानदार व्यक्तित्व वाली महिला बताया। हालांकि कुब्रा को इस बात पर आपत्ति है कि अफवाहों के बाद सुनीता या किसी अन्य महिला से बार-बार सफाई देने की उम्मीद की जाती है। अभिनेत्री ने कहा कि जिस तरह की अटकलें लोग खुद शुरू करते हैं, बाद में उसी पर संबंधित लोगों से जवाब मांगना उचित नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि आखिर गॉसिप कब गॉसिप न रहकर किसी व्यक्ति के बारे में फैसला सुनाने का जरिया बन गई।

कुब्रा ने अपने वीडियो में सोशल मीडिया पर किसी की निजी जिंदगी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां करने और सिर्फ वायरल होने के लिए वीडियो बनाने की प्रवृत्ति पर भी बात की। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले लोगों का काम और उनकी निजी जिंदगी अलग-अलग चीजें हैं। उन्होंने महिलाओं के सम्मान का मुद्दा उठाते हुए कहा कि महिलाओं का सम्मान सिर्फ किसी बड़ी या गंभीर घटना के बाद प्रतिक्रिया देने तक सीमित नहीं होना चाहिए। रोजमर्रा की जिंदगी में भी महिलाओं की पसंद और निजी फैसलों का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी महिला को अपनी जिंदगी या फैसलों के लिए बार-बार सफाई देने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

ओह माय डॉग की ओटीटी रिलीज डेट हुई कंफर्म, 1 अक्टूबर से नेटफ्लिक्स पर होगी स्ट्रीम

मुंबई (एजेंसी)। पंकज त्रिपाठी ओह माय डॉग 7 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. हालांकि ये बॉक्स ऑफिस पर तो खास परफॉर्म नहीं कर पाई थी लेकिन फैंस को इसकी ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार था. फाइनली ओह माय डॉग की डिजिटल डेब्यू की तारीख आ गई है. जानते हैं ये कब और किस प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम करेगी.

ओह माय डॉग को जो लोग थिएटर में नहीं देख पाए वे अब इस इमोशनल फैमिली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म को घर बैठे आराम से देख सकते हैं. दरअसल ये फिल्म 1 अक्टूबर, 2026 से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होना शुरू हो जाएगी.. फिल्म की डिजिटल रिलीज, 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने के दो महीने से भी कम समय बाद हो रही है. नेटफ्लिक्स ने फिल्म का पोस्ट शेयर करते हुए इसकी ओटीटी रिलीज की डेट कंफर्म करते हुए लिखा है, ओह माय डॉग, हमारे पास डेट है, नेटफ्लिक्स पर ओह माय डॉग देखें, जो 1 अक्टूबर को रिलीज हो रही है.

ओह माय डॉग की कहानी दो टाइमलाइन में चलती है, और दोनों ही कहानियां गायब होने की घटनाओं और इंसानों व कुत्तों के बीच के रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती हैं. फिल्म की कहानी अप्पू और उसके देसी कुत्ते मोमो के बारे में है. जब मोमो एक गेंद का पीछा करते हुए बाहर भाग जाता है और वापस नहीं आता, तो अप्पू और उसकी मां उसे ढूंढना शुरू कर देते हैं. उनकी खोज उन्हें कुत्तों की तस्करी करने वाले एक गैर-कानूनी रैकेट तक ले जाती है. दूसरी कहानी बिहार के एक युवा मज़दूर प्रिंस की है, जो गायब हो जाता है. इसके बाद उसका वफ़ादार कुत्ता ऑस्कर अपने मालिक को खोजने के लिए एक अनचाहे सफर पर निकल पड़ता है.

लग्जरी कार छोड़ ऑटो रिक्शा से शूटिंग पर पहुंचे रजनीकांत

मुंबई (एजेंसी)। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत की फैन फॉलोइंग का अंदाजा अक्सर उनके चाहने वालों के उत्साह से लगाया जा सकता है। हाल ही में मैसूर में कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां रजनीकांत की फिल्म 'धर्मन' की शूटिंग चल रही थी। शूटिंग की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में प्रशंसक अभिनेता की एक झलक पाने के लिए मौके पर पहुंच गए। हालांकि फैंस को उस वक्त खास सरप्राइज मिला, जब रजनीकांत शूटिंग लोकेशन पर किसी लग्जरी कार से नहीं, बल्कि ऑटो रिक्शा से पहुंचे। उनका यह अंदाज अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।



सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि रजनीकांत ऑटो रिक्शा में बैठकर शूटिंग सेट पर पहुंचते हैं। उनके ऑटो के आसपास सुरक्षा कर्मी मौजूद थे, जिससे फैंस को पहले ही अंदाजा हो गया था कि उनके पसंदीदा स्टार लोकेशन पर पहुंच चुके हैं। जैसे ही ऑटो वहां रुका और रजनीकांत बाहर आए, प्रशंसकों ने जोर-जोर से उनका स्वागत करना शुरू कर दिया। अभिनेता ने भी अपने चाहने वालों को निराश नहीं किया। उन्होंने हाथ हिलाकर फैंस का अभिवादन किया और फिर शूटिंग के लिए आगे बढ़ गए। इस दौरान वहां मौजूद लोगों ने मोबाइल फोन से उनके वीडियो बनाए, जो बाद में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगे।

एक अन्य वीडियो में शूटिंग लोकेशन के गेट के पास सुरक्षा कर्मी भीड़ को नियंत्रित करते नजर आए। रजनीकांत के सेट पर पहुंचने के बाद सुरक्षा टीम ने गेट बंद रखने की कोशिश की, ताकि शूटिंग प्रभावित न हो।

दृश्यम 3 ने रिलीज से पहले ही कमा लिए करोड़ों

मुंबई (एजेंसी)। अजय देवगन की चर्चित फिल्म दृश्यम का तीसरा भाग दृश्यमः द कन्क्लूजन 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच लंबे समय से उत्सुकता बनी हुई है।

अब इसकी रिलीज से पहले 27 सितंबर से एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है। शुरुआती बुकिंग को देखते हुए फिल्म के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करने और बॉक्स ऑफिस पर बड़ी शुरुआत दर्ज करने की उम्मीद जताई जा रही है।दृश्यमः द कन्क्लूजन की एडवांस बुकिंग को दर्शकों की शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है। रिलीज के पहले दिन 1.6 लाख टिकट बिके, जबकि दूसरे दिन भी एक लाख



से ज्यादा टिकटों की बिक्री हुई।इस तरह 48 घंटे में फिल्म ने पूरे भारत में ओपनिंग वीकेंड के लिए 4 लाख से अधिक टिकट बेच दिए।ट्रेड अनुमानों के अनुसार, 29 सितंबर की सुबह तक फिल्म की एडवांस बुकिंग 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की हो चुकी थी।फिल्म ने दृश्यम 2 की 5.09 करोड़ रुपये की कुल एडवांस बुकिंग को पीछे छोड़ दिया है। पहले फिल्म की ओपनिंग 25-30 करोड़ रुपये रहने का अनुमान था, लेकिन अब ट्रेड विशेषज्ञ अपनी उम्मीदें बढ़ा रहे और बड़ी शुरुआत की संभावना जता रहे हैं।दृश्यमः द कन्क्लूजन में अजय का किरदार विजय सलगांवकर वापस आ रहा है।

साथ ही तब्बू, श्रिया सरन, रजत कपूर, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव और कमलेश सावंत जैसे कलाकार भी इसमें नजर आएंगे।कास्ट में नए शामिल होने वाले कलाकार जयदीप अहलावत, प्रकाश राज और सौरभ शुक्ला हैं।अभिषेक पाठक द्वारा लिखित और निर्देशित दृश्यमः द कन्क्लूजन एक नई कहानी है, जो मलयालम फ्रैंचाइजी के तीसरे भाग से अलग है।

सेहत

हरी मटर या पीली मटर, कौन सी ज्यादा फायदेमंद होती है, खाने से पहले जरूर जान लें

सर्दियों में कच्ची हरी मटर मार्केट में बिकती है। इसके बाद पूरे साल आपको फ्रोजन हरी मटर ही खाने को मिलेंगी। लेकिन हरी मटर को सुखाने के बाद ये पीली मटर के नाम से भी बाजार में बिकती है। हरी मटर सूखने के बाद पीली हो जाती है। लेकिन कई बार सूखी हरी मटर भी बाजार में मिलती हैं। ये मटर की अलग किस्म होती है। ये मटर सूखने के बाद भी हरी बनी रहती है। दोनों किस्मों के पोषक तत्व भी लगभग बराबर होते हैं। हालांकि दोनों मटर का इस्तेमाल कई अलग-अलग चीजों में किया जाता है। अब कई बार लोगों को समझ नहीं आता कि सेहत के लिए कौन सी मटर ज्यादा फायदेमंद है। अगर खरीद ही रहे हैं तो अच्छी किस्म की मटर ही खरीदकर घर लाएं।

खाने में आप हरी या पीली कोई भी मटर इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन दोनों के स्वाद में थोड़ा फर्क होता है। हरी मटर में स्टार्च कम होता है और ये पीली मटर की तुलना में ज्यादा मीठी होती हैं। पीली मटर का स्वाद मिट्टी जैसा और अखरोट जैसा होता है। ये हरी मटर की तुलना में हल्की और कम तीखे स्वाद वाली होती हैं। अगर आप खाने में मटर का तेज स्वाद नहीं



चाहते हैं, तो पीली मटर सबसे अच्छी रहती है। दोनों तरह की सूखी मटर को पकाने में बराबर समय ही लगता है।

हरी और पीली दोनों मटर में प्रोटीन, फाइबर, बी विटामिन, मैग्नीशियम और आयरन अच्छी मात्रा में पाया जाता है। ये मटर कैल्शियम, जिंक, नियासिन, विटामिन ई, फोलेट और पोटेशियम की रोजाना की जरूरतों को पूरा कर सकती हैं।

वजन घटाने के लिए मटर एक बेहतरीन विकल्प है। यह पाचन में मदद करती है। भूख को कंट्रोल करने के लिए मटर अच्छी हैं। इससे मेटाबॉलिज्म तेज होता है। छोटे से दिखने वाले मटर के दानों में भरपूर एनर्जी देने वाले तत्व छिपे हैं। मटर सूजन कम करती हैं, एनीमिया से बचाती हैं, ब्लड प्रेशर कंट्रोल करती हैं और रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करती हैं।

मटर खाने से हार्ट को हेल्दी रखने और दिल की बीमारियों का जोखिम कम होता है। प्रोटीन पाउडर में पीली मटर का इस्तेमाल किया जाता है। दोनों ही सेहत के लिए अच्छी मानी जाती हैं लेकिन पीली मटर हरी मटर से थोड़ी महंगी होती है।

दलिया या उपमा, वेट लॉस के लिए बेस्ट क्या है?

मोटापा एक ऐसी समस्या है जिससे इस वक्त ज्यादातर लोग परेशान है। ऐसे में वजन घटाने के लिए लोग कई तरह के उपाय कर रहे हैं। लेकिन आपको मालूम होना चाहिए कि वजन घटाने के लिए अनुशासन और सही डाइट का होना बेहद जरूरी है। घंटों जिम में पसीना बहाने के बाद भी लोग वजन नहीं घटा पाते। वहीं कुछ लोग अपनी डाइट में बदलवा कर वजन घटाना चाहते हैं। ऐसे में ज्यादातर लोग अपनी डाइट में दलिया और उपमा को शामिल करते हैं। लेकिन उनके मन में हमेशा ये सवाल रहता है कि दलिया और उपमा में से वेट लॉस में क्या ज्यादा कारगर है। चलिए जानते हैं।

1. दलिया- वजन घटाने के लिए 'सुपरफूड'

दलिया साबुत गेहूं को कूटकर बनाया जाता है, इसलिए इसमें गेहूं के सभी पोषक तत्व और फाइबर होते हैं।

हाई फाइबरः दलिया में फाइबर की मात्रा बहुत अधिक होती है, जो पाचन को धीमा करता है। इससे आपको लंबे समय तक भूख नहीं लगती।

लो ग्लाइसेमिक इंडेक्स (GI): यह ब्लड शुगर को धीरे-धीरे बढ़ाता है, जिससे शरीर में फैट बनने की संभावना कम होती है।

प्रोटीनः इसमें सूजी के मुकाबले ज्यादा प्रोटीन और आयरन होता है, जो मेटाबॉलिज्म बढ़ाने में मदद करता है।

2. उपमा - स्वाद और ऊर्जा का स्रोत

उपमा सूजी (Rava) से बनता है, जो कि रिफाइंड गेहूं है।

जल्दी पाचनः सूजी रिफाइंड होने के कारण जल्दी पच जाती है, जिससे आपको दलिया की तुलना में जल्दी भूख लग सकती है।

फाइबर की कमीः उपमा में फाइबर कम होता है, जब तक कि आप इसमें ढेर सारी सब्जियां न डालें।

वेट लॉस के लिए क्या है बेस्ट?

दलिया उपमा ट्राई करें: अगर आपको उपमा का स्वाद पसंद है, तो सूजी की जगह दलिया का उपमा (Broken Wheat Upma) बनाएं। इसमें ढेर सारी सब्जियां जैसे गाजर, मटर, बीन्स और शिमला मिर्च डालें। यह स्वाद और सेहत दोनों का बेस्ट कॉम्बिनेशन है।

सब्जियों का भरपूर प्रयोगः चाहे दलिया बनाएं या उपमा, उसमें अनाज की मात्रा कम और सब्जियों की मात्रा ज्यादा रखें।

रोटी बदलते ही सुधर जाएगी बिगड़ी हुई सेहत

रोटी भारतीय थाली की जान है, लेकिन सेहत के लिहाज़ से हर रोटी एक जैसी नहीं होती। साबुत गेहूं से बनी रोटी हो या फिर मल्टीग्रेन, ज्वार-बाजरा जैसे अनाजों से तैयार विकल्प, हर रोटी अपने साथ अलग-अलग पोषक तत्व लेकर आती है। सही रोटी का चुनाव आपकी डाइट, लाइफस्टाइल और सेहत से जुड़ी ज़रूरतों पर निर्भर करता है। इसी बात को आसान शब्दों में समझाते हुए क्लिनिकल न्यूट्रिशनिस्ट खुशी छाबड़ा ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में रोटियों की अलग-अलग किस्मों पर रोशनी डाली है। उन्होंने बताया कि कौन-सी रोटी वजन कंट्रोल में मददगार है, कौन-सी डायबिटीज के लिए बेहतर विकल्प हो सकती है और किस तरह ये रोटियाँ संतुलित व हेल्दी डाइट का अहम हिस्सा बन सकती हैं।

जानें किस मरीजों को कौन सी रोटी खानी चाहिए?

जौ की रोटी: जौ की रोटी में घुलनशील फाइबर, सेलेनियम भरपूर मात्रा में होता है। यह पेट की चर्बी कम करने में मदद करती है। इंसुलिन रिस्पॉन्स को बेहतर बनाता है। लिवर और दिल की सेहत को सपोर्ट करती है। इसका सेवन प्रीडायबिटीज़, फैटी लिवर, और कोलेस्ट्रॉल की समस्या वाले लोग कर सकते हैं।

रागी की रोटी: रागी की रोटी में कैल्शियम, आयरन, फाइबर भरपूर मात्रा में होता है। यह वज़न कम करने में मदद करता है। ब्लड शुगर कंट्रोल करती है। हड्डियों और जोड़ों को मज़बूत बनाती है। इसका सेवन, डायबिटीज़ के मरीज़, मेनोपॉज़ के बाद की महिलाएं (हड्डियों की सेहत के लिए), वेट लॉस में किया जा सकता है।

मल्टीग्रेन रोटी: मल्टीग्रेन रोटी में फाइबर, बी-विटामिन और मिनरल्स भरपूर मात्रा में पाया जाता है। यह रोटी डाइजेशन और गट बैलेंस को बेहतर करती है। फैट लॉस में मदद करती है। पोषक तत्वों की कमी को रोकता है। इसका सेवन PCOS, वज़न कम करने वाले लोग कर सकते हैं।

बाजरे की रोटी: बाजरे की रोटी में भरपूर मात्रा में आयरन, ज़िंक, अघुलनशील फाइबर होता है। यह रोटी, आयरन का लेवल, एनर्जी और स्टैमिना बढ़ाती है।

'यह तो लूट है' कैंसर की दवाओं की कीमत 10 गुना बढ़ाने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज, निजी अस्पतालों की मनमानी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी) कैंसर की दवाओं पर अस्पतालों की मनमानी और कई गुना ज्यादा कीमत वसूलने के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई कैंसर की दवा कंपनी रिटेलर को 2,700 रुपये में देती है और अस्पताल या दूसरी जगह वही दवा 27,000 रुपये की मिलती है, तो यह बहुत गंभीर मामला है। कोर्ट ने सभी दवाओं पर 16 प्रतिशत तक एक समान मार्जिन रखने के मुद्दे पर भी केंद्र सरकार से विचार करने के लिए कहा है।

कैंसर की दवाओं की कीमत को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ दवाओं की कीमत, जेनेरिक दवाओं की बिक्री और मेडिकल डिवाइस की कीमतों से जुड़े मामलों की सुनवाई कर रही थी। यह मामला DPCO 2013 से भी जुड़ा है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि आखिर दवाओं



की कीमत में इतना बड़ा अंतर क्यों है? कोर्ट ने उदाहरण देते हुए कहा कि एक जरूरी कैंसर की दवा का MRP 27,000 रुपये है, जबकि वही दवा रिटेलर को सिर्फ 2,700 रुपये में दी जाती है। कोर्ट ने पूछा कि कीमत में इतना बड़ा अंतर किसके फायदे के लिए है और इसका फायदा किसे मिल रहा है।

प्राइवेट अस्पतालों की मनमानी पर उठाए सवाल

कोर्ट ने केंद्र सरकार से यह भी कहा कि वह इस बात की जांच करे कि कई बड़े निजी अस्पताल मरीजों को अपनी ही फार्मेसी या किसी खास केमिस्ट से दवा खरीदने के लिए क्यों कहते हैं। कोर्ट ने सवाल उठाया कि अगर मरीज बाहर से दवा खरीदता है तो कुछ अस्पताल इलाज की गारंटी या सुविधा देने से इनकार क्यों करते हैं। कॉर्पोरेट अस्पताल किसी को नहीं बख्शते। वो तो शव तक को बाहर नहीं ले जाने देते। फार्मा सेक्टर को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

दवाओं की कीमत तय करने का एक समान नियम क्यों नहीं

पीठ ने कहा कि अगर मरीज का इलाज सरकारी योजना के तहत हो रहा है तो दवा और इलाज का खर्च आखिरकार टैक्सपेयर्स के पैसे से ही आता है। ऐसे में दवाओं की कीमत तय करने के लिए एक समान नियम क्यों नहीं होना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर कोई केमिस्ट जरूरतमंद मरीज को दवा कम कीमत पर देने की कोशिश करता है, तो मरीज को उल्टा यह शक हो सकता है कि कहीं दवा नकली तो नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने 2 सप्ताह में सरकार से मांगा जवाब

केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वह अधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा करेंगे और इसका कोई बैलेंस समाधान निकालने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने इसके लिए दो सप्ताह का समय मांगा।

कैंसर दवाओं की ज्यादा कीमत वसूले जाने पर कड़ी चिंता

कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 12 अक्टूबर को तय की है। इससे पहले 22 सितंबर को भी सुप्रीम कोर्ट ने जरूरी कैंसर दवाओं की ज्यादा कीमत वसूले जाने पर कड़ी चिंता जताई थी। मामले में दवाओं की कीमत नियंत्रित करने और मरीजों से कथित तौर पर ज्यादा कीमत वसूले जाने को रोकने की मांग की गई है।

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी

गुरुवार 01 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

बिलासा एयरपोर्ट में लेखापाल पद के लिए पात्र-अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी

बिलासपुर । बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट, चकरभाठा में लेखापाल के पद पर संविदा नियुक्ति के लिए प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद पात्र एवं अपात्र अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई है। एयरपोर्ट प्रबंधन द्वारा सूची को जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित किया गया है। अभ्यर्थी सूची का अवलोकन कर अपनी दावा-आपत्ति 11 अक्टूबर 2026 को शाम 5 बजे तक चकरभाठा स्थित एयरपोर्ट कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

दानवीर भामाशाह सम्मान के लिए आवेदन 1 तक

बिलासपुर। समाज कल्याण विभाग द्वारा दानवीर भामाशाह सम्मान 2026 के लिए 1 अक्टूबर 2026 तक आवेदन मंगाये गये है। यह सम्मान प्रतिवर्ष राज्योत्सव के अवसर पर दानशीलता, सौहार्द्र एवं अनुकरणीय सहायता प्रदान करने वाले व्यक्ति अथवा संस्था को प्रदान किया जाता है। चयनित व्यक्ति अथवा संस्था को एक लाख रुपये की सम्मान राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। सम्मान के लिए आवेदक व्यक्ति अथवा संस्था का छत्तीसगढ़ में निवासरत या कार्यरत होना अनिवार्य है। इच्छुक व्यक्ति अथवा संस्थाएं अपना आवेदन 01 अक्टूबर 2026 तक संयुक्त संचालक, समाज कल्याण विभाग, पुरानी कंपोजिट बिल्डिंग, कमरा नंबर-04 में जमा कर सकते है।

आंगनबाड़ी सहायिका भर्ती : आवेदन 21 अक्टूबर तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना सकरी अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्र उस्लापुर 4 में आंगनबाड़ी सहायिका के एक रिक्त पर 7 अक्टूबर से 21 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाईन आवेदन किये जा सकते है। इच्छुक आवेदिका ई भर्ती पोर्टल https://aww.e-bharti.in/ में जाकर आवश्यक दस्तावेज अपलोड करते हुए आवेदन कर सकती है।

सेवा संकल्प अभियान : जल संरक्षण और स्वच्छता गतिविधियां आयोजित

बिलासपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मंगला में जल संरक्षण एवं स्वच्छता को लेकर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जल स्रोत सुधार, नदी घाट स्वच्छता अभियान, जल चौपाल एवं जल संकल्प जैसी गतिविधियां मंगला (पासीद) एनीकट क्षेत्र में की गईं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत बिल्हा के अध्यक्ष श्री रामकुमार कौशिक तथा श्री सोमेश तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य जल स्रोतों के संरक्षण, स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा नागरिकों को जल के महत्व और उसके संरक्षण के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में कुल 121 नागरिकों ने सहभागिता निभाई। जल स्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण के साथ ही लोगों ने जल की बर्बादी रोकने और भविष्य के लिए जल बचाने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय देवेंद्र नगर चौक से लाल चौक तक नशामुक्ति पदयात्रा में हुए शामिल

नशामुक्त और स्वस्थ छत्तीसगढ़ से ही बनेगा विकसित छत्तीसगढ़ : सीएम साय

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर में देवेंद्र नगर चौक से लाल चौक तक आयोजित नशामुक्ति पदयात्रा में शामिल हुए। बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राओं, युवाओं, महिलाओं, जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के साथ मुख्यमंत्री श्री साय ने पदयात्रा कर नशामुक्त और स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश दिया। पदयात्रा के समापन पर मुख्यमंत्री श्री साय ने लाल चौक स्थित लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नशामुक्त और स्वस्थ छत्तीसगढ़ ही विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव बनेगा। नशा केवल किसी एक व्यक्ति को प्रभावित नहीं करता, बल्कि उसका दुष्प्रभाव पूरे परिवार और समाज पर पड़ता है। विशेष रूप से युवाओं को नशे से बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रदेशवासियों से स्वयं नशे से दूर रहने और अपने आसपास के लोगों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने की अपील की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि युवा किसी भी प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। युवा स्वस्थ होंगे, शिक्षित और कुशल होंगे तथा अपनी ऊर्जा सकारात्मक कार्यों में लगाएंगे तो प्रदेश तेजी से आगे बढ़ेगा। राज्य सरकार युवाओं के लिए शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, स्वरोजगार, खेल और



उद्यमिता के अवसरों का विस्तार कर रही है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ का प्रत्येक युवा अपनी प्रतिभा और क्षमता का उपयोग अपने परिवार, समाज और प्रदेश की प्रगति में करे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती 25 सितम्बर से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर तक नशामुक्ति पदयात्रा सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। महात्मा गांधी ने संयम, स्वच्छता और स्वस्थ जीवन का संदेश दिया था। ऐसे में नशामुक्ति का यह अभियान उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का भी सशक्त माध्यम है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन में सेवा को सर्वोपरि रखा है। 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में प्रारंभ हुई उनकी शासन की यात्रा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर देशभर में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विभिन्न जनसेवा गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। अभियान के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, सामाजिक जागरूकता और जनसेवा के विभिन्न कार्यों में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

उन्होंने कहा कि इसी अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री श्री मोदी के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना के साथ प्रदेशभर में 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम आयोजित किया गया। साथ ही युवाओं को सेवा और राष्ट्र निर्माण के भाव से जोड़ने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं। गुजरात के वडनगर से निकले बाइक राइडर्स का रायपुर पहुंचने पर स्वागत किया गया। इस यात्रा में बस्तर के युवा भी उत्साहपूर्वक सहभागी बने। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर लंबे समय तक नक्सलवाद की समस्या से प्रभावित रहा, जिसके कारण वहां विकास की गति बाधित हुई।

जनभागीदारी से रेडक्रॉस के सेवा कार्यों को दें विस्तार : तोमन साहू

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी के राज्य चेयरमेन श्री तोमन साहू की अध्यक्षता में जिला शाखा बिलासपुर की समीक्षा बैठक जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित की गई। उन्होंने जनभागीदारी से सेवा कार्यों का विस्तार करने और युवाओं की सक्रिय सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक में कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, एसएसपी श्री रजनेश सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री प्रकाश कुमार सर्वे एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संदीप अग्रवाल उपस्थित थे।

बैठक में जूनियर रेडक्रॉस एवं यूथ रेडक्रॉस को मजबूत करने, सदस्यता अभियान को गति देने तथा रक्तदान एवं अंगदान के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने पर चर्चा हुई। सिकल सेल, टीबी एवं मलेरिया नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ



समन्वय से कार्य करने पर जोर दिया गया। नशामुक्ति अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए सामाजिक संस्थाओं एवं यूथ रेडक्रॉस के युवाओं की सहभागिता से नुक्कड़ नाटक, लघु चलचित्र और अन्य माध्यमों से लोगों को जागरूक किया जाएगा। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले के विभिन्न स्थानों पर आयोजित रक्तदान शिविरों की जानकारी बैठक में दी गई। इन शिविरों में रक्तदान के साथ रक्त शर्करा, रक्तचाप, हीमोग्लोबिन एवं सिकल सेल की निःशुल्क जांच भी की जा रही है। शिक्षा विभाग के सहयोग से आयोजित जिला स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता की जानकारी भी दी गई।

बस्ता एजुकेशन एंड हेल्थ फाउंडेशन की संस्थापक सुश्री विनीता पटेल ने 'प्रोजेक्ट आरुग' के अंतर्गत मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के प्रति प्रस्तावित जागरूकता अभियान की विस्तृत जानकारी दी। एसईसीएल से सामाजिक उत्तरदायित्व मद में प्राप्त 48.96 लाख रुपये की राशि से रेडक्रॉस के सहयोग से बिल्हा विकासखंड के 114 हाई स्कूल एवं कुछ माध्यमिक विद्यालयों में अभियान संचालित किया जाएगा। बैठक में रेडक्रॉस कार्यालय के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय परिसर में स्थल चयन की जानकारी दी गई।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के पूर्व वरिष्ठजनों के लिए खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के पूर्व आज वरिष्ठ नागरिकों के लिए बृहस्पति बाजार स्थित अनुभव भवन में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुर्सी दौड़, मटका फोड़, बकेट बॉल और पासिंग बॉल जैसे खेलों में वरिष्ठजनों ने बड़े उत्साह के साथ बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के पश्चात प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता वरिष्ठजनों को समाज कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक श्री टी.पी. भावे एवं सहायक संचालक श्री सुमित केशरवानी द्वारा पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ज्येष्ठ नागरिक संघ के अध्यक्ष श्री अरविन्द दीक्षित और भारतीय राज्य पेंशनर महासंघ के जिला अध्यक्ष श्री राकेश जैन, श्रीमती सत्यभामा अवस्थी, श्री बालकृष्ण अग्रवाल, श्री प्रशांत मोकासे, श्री संजय खुराना, वंमशी कृष्णा सिलारपू, उपेन्द्र सिंह, बसंत श्रीवास, रमाशंकर शुक्ला, रंजीत सिंह एवं अन्य वरिष्ठजनों के संगठनों के पदाधिकारी एवं विभागीय कर्मचारी उपस्थित थे।

विभाग के संयुक्त संचालक के श्री टीपी भावे ने बताया कि 1 अक्टूबर 2026 को अंतरराष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर लाल बहादुर शास्त्री स्कूल परिसर स्थित पं. देवकीनंदन दीक्षित सभागृह में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही वरिष्ठजनों का पंजीयन, स्वास्थ्य परीक्षण और शासकीय कलाकारों एवं वरिष्ठजनों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। विशेषज्ञों द्वारा माता-पिता भरण पोषण अधिनियम 2007, वित्तीय प्रबंधन, स्वस्थ तन स्वस्थ मन, साइबर क्राइम तथा ऑक्यूपेशनल व फिजियोथेरेपी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर परिचर्चा आयोजित की जाएगी। मुख्य कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 1 बजे से किया जाएगा।

बस्तर में बाढ़ का पानी उतरने के साथ सामान्य हो रहा जनजीवन

रायपुर ■ दैनन्दिनी

बस्तर अंचल में बीते दिनों हुई भारी बारिश और बाढ़ के बाद अब नदियों एवं नालों का जलस्तर धीरे-धीरे कम होने लगा है। प्रभावित क्षेत्रों में हालात सामान्य होने के साथ जनजीवन भी पटरी पर लौट रहा है। वहीं बाढ़ का पानी उतरने के बाद जलजनित एवं मौसमी बीमारियों की आशंका को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को और सक्रिय कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान 'अर्नब' के प्रभाव से 23 से 26 सितम्बर के दौरान बस्तर अंचल में हुई मूसलाधार बारिश तथा पड़ोसी राज्य ओडिशा के खातीगुड़ा और मुरान बांध के फाटक खोले जाने से कई क्षेत्रों में बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति निर्मित हो गई थी। कई गांवों का संपर्क प्रभावित हुआ और लोगों की सामान्य दिनचर्या भी बाधित हुई थी। अब जलस्तर कम होने के बाद प्रभावित ग्रामीण धीरे-धीरे अपनी रोजमर्रा की गतिविधियों की ओर लौट रहे हैं।

बाढ़ का पानी उतरने के बाद प्रभावित क्षेत्रों में जमा पानी और गंदगी के कारण जलजनित रोगों, संक्रामक बुखार एवं अन्य मौसमी बीमारियों की संभावना को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है। प्रभावित गांवों और बस्तियों में चिकित्सा दल पहुंचकर स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर रहे हैं और ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की जा रही है।स्वास्थ्य शिविरों में महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों सहित अन्य ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यकता के अनुसार दवाइयां, प्राथमिक उपचार सामग्री एवं ओआरएस के पैकेट उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

नहरों के अंतिम छोर तक पहुंचा पानी, किसानों की खेती को मिली मजबूती

बिलासपुर (दैनंदिनी ब्यूरो)। खेतों तक पहुंचती सिंचाई की धार तखतपुर क्षेत्र के किसानों के लिए खेती का मजबूत सहारा बन रही है। आमाचुवा जलाशय और लोवर मनियारी व्यपवर्तन योजना से 2,197 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई का लाभ मिल रहा है। नहरों के सुदृढ़ीकरण से अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था बेहतर हुई है। आमाचुवा जलाशय से खरीफ के साथ किसानों की मांग के अनुरूप रबी फसल के लिए भी पानी उपलब्ध कराया जा रहा है।

ग्राम बांधा में निर्मित आमाचुवा जलाशय बांधा, जोगीपुर एवं टिंगीपुर के खेतों की



सिंचाई का प्रमुख साधन है। वर्ष 2021-22 में मुख्य एवं शाखा नहरों में पक्की परत बिछाने का कार्य पूरा किया गया। इसके बाद इन गांवों की लगभग 578 हेक्टेयर कृषि भूमि तक पर्याप्त पानी पहुंच रहा है। किसानों को रबी फसल की सिंचाई के लिए भी मांग के अनुसार जलाशय से पानी दिया जा रहा है। इसके अलावा मत्स्य पालन और निस्तार के लिए भी जलाशय का पानी उपयोगी है। आमाचुवा जलाशय की जल भराव क्षमता 17.44 लाख घन मीटर है। इसकी निर्धारित सिंचाई क्षमता 578 हेक्टेयर है। जलाशय से जुड़ी 3.2 किलोमीटर लंबी मुख्य नहर और 3.8 किलोमीटर लंबी शाखा नहर खेतों तक पानी पहुंचाती हैं। बांध की लंबाई 214 मीटर और ऊंचाई 11.88 मीटर है।

इसी तरह ग्राम खमरिया स्थित लोवर मनियारी व्यपवर्तन योजना से 10 गांवों के किसानों को सिंचाई सुविधा मिल रही है। योजना के अंतर्गत ऊंचाई बढ़ाने और नहरों में पक्की परत बिछाने का कार्य जुलाई 2026 में पूरा हुआ। वर्तमान में योजना से 1,619 हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई हो रही है, जबकि इसकी निर्धारित सिंचाई क्षमता 2,024 हेक्टेयर है।

दूषित पानी की शिकायतों पर हरकत में आया विभाग उदका के हैंडपंपों में डाली गई क्लोरीन की दवा

समाचार प्रकाशन के बाद विभाग ने दिखाई तत्परता, पेयजल शुद्धता को लेकर उठाया कदम

पंडरिया (दैनंदिनी ब्यूरो)। जनपद पंचायत पंडरिया अंतर्गत ग्राम पंचायत उदका में पेयजल की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों द्वारा लगातार की जा रही शिकायतों के बाद अब विभाग ने पहल करते हुए गांव के हैंडपंपों में क्लोरीन की दवा डलवाई है। ग्रामीणों की समस्या को समाचार पत्रों के माध्यम से प्रमुखता से सामने लाए जाने के बाद संबंधित विभाग हरकत में आया और पेयजल स्रोतों की शुद्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कार्रवाई शुरू की गई।

ग्रामीणों के अनुसार विगत दिनों गांव के कुछ हैंडपंपों से निकलने वाले पानी की गुणवत्ता को लेकर चिंता बनी हुई थी। पानी दूषित होने की शिकायतें ग्रामवासियों द्वारा लगातार संबंधित स्तर पर रखी जा रही थीं। पेयजल सीधे ग्रामीणों के दैनिक जीवन से जुड़ा विषय होने के कारण इस समस्या को लेकर



ग्रामीणों में विशेष चिंता देखी जा रही थी।

समाचार पत्रों में ग्रामीणों की समस्या प्रकाशित होने के बाद संबंधित विभाग ने मामले को गंभीरता से लिया। इसके बाद ग्राम पंचायत उदका में पेयजल स्रोतों की ओर ध्यान देते हुए हैंडपंपों में क्लोरीन की दवाइयां डाली गईं। विभाग की इस पहल से ग्रामीणों को राहत मिली है और पेयजल की स्वच्छता को लेकर सकारात्मक कदम उठाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि पेयजल की गुणवत्ता को लेकर समय-समय पर जांच और आवश्यक उपचार की व्यवस्था बनी रहना जरूरी है। क्लोरीन डालने की कार्रवाई से फिलहाल ग्रामीणों में संतोष है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी विभाग द्वारा गांव के पेयजल स्रोतों की नियमित निगरानी की जाएगी, ताकि किसी प्रकार की समस्या सामने आने पर समय रहते उसका समाधान किया जा सके।

गौरतलब है कि ग्रामीण क्षेत्रों में हैंडपंप ही बड़ी संख्या में परिवारों के लिए पेयजल का प्रमुख साधन हैं। ऐसे में इन जलस्रोतों की स्वच्छता और गुणवत्ता बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है। उदका में सामने आई शिकायत के बाद विभाग द्वारा की गई कार्रवाई को इसी दिशा में एक सकारात्मक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

समाचार प्रकाशन के बाद कार्रवाई से ग्रामीणों को राहत

उदका के ग्रामीणों की पेयजल संबंधी समस्या को समाचार के माध्यम से सामने आने के बाद विभाग की सक्रियता देखने को मिली। हैंडपंपों में क्लोरीन की दवा डालने की कार्रवाई से यह संदेश गया है कि ग्रामीणों से जुड़ी मूलभूत सुविधाओं की शिकायतों पर संबंधित विभाग द्वारा आवश्यक कदम उठाए जा सकते हैं। ग्रामीणों ने पेयजल व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए नियमित निगरानी की अपेक्षा जताई है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने मंत्रालय स्थित कार्यालय में आगंतुकों से की मुलाकात

रायपुर ■ दैनन्दिनी



पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने मंत्रालय, नवा रायपुर स्थित कार्यालय में आज विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों एवं आगंतुकों से मुलाकात की। मंत्री श्री अग्रवाल ने सभी से आत्मीयता से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं, अपेक्षाओं और सुझावों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित विषयों की जानकारी ली।मुलाकात के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपने-अपने क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं और आवश्यकताओं से मंत्री श्री अग्रवाल को अवगत कराया। मंत्री ने प्रत्येक आगंतुक की बात ध्यानपूर्वक सुनी और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नागरिकों द्वारा प्रस्तुत समस्याओं का नियमानुसार परीक्षण कर उनका यथासंभव शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, जिन मामलों में अन्य विभागों से समन्वय की आवश्यकता है, उनमें संबंधित विभागों से समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि सरकार की योजनाओं और नीतियों का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इसके लिए जनता से निरंतर संवाद और उनकी समस्याओं को समझना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि और सरकार के बीच जनता का सीधा संवाद लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाता है।

उन्होंने कहा कि 'जनता से जुड़े रहना और उनकी बात सुनना ही सुशासन की पहली सीढ़ी है।' नागरिकों की समस्याओं को सुनकर उनके समाधान की दिशा में प्रभावी पहल करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आम नागरिकों की शिकायतों और सुझावों को संवेदनशीलता के साथ लेते हुए नियमानुसार समयबद्ध कार्रवाई की जाए।

मंत्रालय में मंत्री से मिलने पहुंचे लोगों ने भी अपनी बात सुने जाने और समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक पहल किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस दौरान विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपने क्षेत्र के विकास, जनहित से जुड़े विषयों तथा अन्य आवश्यकताओं से संबंधित सुझाव भी साझा किए।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के विकास में जनभागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका है। जनता के सुझावों और अनुभवों से शासन को जमीनी स्तर की आवश्यकताओं को समझने में मदद मिलती है।

:- संपादकीय :-

एआई का भस्मासुर

निरंतर निरंकुश होते एआई को लेकर टेक दिग्गज और माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स ने जो कहा, दुनिया भर उससे सकते में है। बिल गेट्स आईटी के दिग्गज हैं और उनकी संवेदनशीलता की दुनिया में विशिष्ट पहचान है। उन्होंने चेताया है कि एआई तकनीक यदि गलत हाथों में गई तो करोड़ों मौतों की वजह बन सकती है। उनका कथन है कि मानवता के इतिहास में एआई एडवांस टूल जैसा घातक हथियार पहले नहीं बना। एक अमेरिकी चैनल से बातचीत में गेट्स ने एआई के आसन्न खतरे को लेकर आशंका जताते हुए इसके नियमन के लिये कानून बनाने की मांग की है।

उल्लेखनीय है कि बिल गेट्स की यह चेतावनी ऐसे वक्त में आई है जब एआई की दिग्गज कंपनियों ओपन-एआई और एंथ्रोपिक के एआई एजेंट्स बेकाबू हो रहे हैं। पिछले दिनों आस्ट्रेलिया ने कड़ा प्रतिवाद किया कि ओपन-एआई के एजेंट्स ने उनकी स्वास्थ्य सेवाओं की वेबसाइट हैक कर ली थी। इतना ही नहीं, महीनों तक कंपनी इस बात की जानकारी आस्ट्रेलिया सरकार को नहीं दे पायी। इससे भी बढ़कर एआई एजेंट्स खुद अमेरिका के लिये भी तब भस्मासुर साबित हुए, जब ओपन-एआई के एजेंट्स ने अमेरिकी सरकार की वेबसाइट्स पर भी हमला बोला। इतना ही नहीं, उसने वेबसाइट्स पर हमला किया और जानकारी सार्वजनिक कर दी। यही वजह है कि एबीसी न्यूज के एक कार्यक्रम में बिल गेट्स को चेताना पड़ा कि घातक इरादे रखने वाले अपराधी इसके जरिये तबाही ला सकते हैं। इस आशंका की पुष्टि इस बात से होती है कि स्वयं एंथ्रोपिक बता चुकी है कि यमन के चरमपंथियों ने बैलिस्टिक मिसाइलों के संचालन, नियंत्रण और नेविगेशन सॉफ्टवेयर बनाने के लिये क्लॉड एआई का प्रयोग करने का प्रयास किया था। एआई की अग्रणी कंपनी ओपन-एआई ने स्वीकारा है कि उसके एआई मॉडलों ने ऐसे कदम उठाये हैं, जो कंपनी की इच्छा के विपरीत थे।आज ओपन-एआई समेत दुनिया की तमाम दिग्गज एआई कंपनियों के सूत्रधार मान रहे हैं कि दुनिया के सभी देशों को मिलकर इस तकनीक के सुरक्षा मानकों का निर्धारण करना चाहिए। जिससे लगातार ताकतवर होते एआई पर नियंत्रण रखा जा सके। हाल के दिनों में एआई एजेंट्स के खुद ही वेबसाइट्स को शिकार बनाने और दुनिया में अशांति के वाहक चरमपंथी गुटों द्वारा मिसाइल सॉफ्टवेयर में एआई के इस्तेमाल की खबरों ने तमाम आशंकाएं पैदा कर दी हैं। निस्संदेह, ऐसे हालात में एआई के तीव्र गति से हो रहे विकास को निमार्ता कंपनियों के सेल्फ-रेगुलेशन के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

भारत चल पड़ा है नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर

प्रह्लाद सबनानी ।

पूर्व में, अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों को भारत से ब्रेन ड्रेन हो रहा था, परंतु अब परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं एवं अब विशेष रूप से अमेरिका से भारत को रिवर्स ब्रैन ड्रेन होने लगा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन की नीतियों के चलते अन्य देशों से अमेरिका में जाने वाले टैलेंट का अमेरिका में रहना अब मुश्किल हो रहा है। अमेरिका एवं अन्य यूरोपीयन देशों में पूंजीवाद एवं साम्यवाद की नीतियों के चलते इन देशों में जन्म दर भी लगातार कम हो रही है। इन देशों में समाज में प्रत्येक व्यक्ति केवल अपने आप पर ध्यान केंद्रित किए हुए है। विवाह जैसी अति पवित्र संस्था को पश्चिमी देशों ने केवल मौज मस्ती का माध्यम बना दिया गया है। केवल कामुकता के लिए विवाह नहीं किया जाता है जबकि यह एक सामाजिक जिम्मेदारी है। भारतीय दर्शन में अपने कुल को आगे बढ़ाने के लिए विवाह को एक पवित्र संस्था माना गया है। जबकि, पश्चिमी देशों में आज विवाह को आवश्यक ही नहीं माना जा रहा है बल्कि वहां के नागरिक लिव इन रिलेशनशिप में भी रहने लगे हैं। इन देशों में तलाक की दर में अतुलनीय वृद्धि दर्ज हो रही है। इन देशों में सामान्य जीवन यापन की लागत बहुत अधिक महंगी हो रही है।



इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत आज केवल पुर्जों को इकट्ठा कर उत्पाद बनाने का कार्य करने तक सीमित नहीं है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। 6 वर्षों में मोबाइल कम्पोनेंट में घरेलू वैल्यू एडीशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है।

भारत में आज एक नई औद्योगिक क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है, यह विचार अमेरिका की एक जानी मानी निवेश बैंक- जेफ्रीज ने व्यक्त किये हैं। भारत में, विशेष रूप से डाटा केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से करोड़ों अमेरिकी डॉलर का निवेश होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने पर केंद्र सरकार की ओर से टैक्स में भारी भरकम छूट भी प्रदान की जा रही है। अतः भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने की तो जैसे होड़ सी मच गई है। पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में डाटा केंद्रों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है एवं आगे आने वाले 5 वर्षों के दौरान यह क्षमता बढ़कर 10 हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा केंद्र अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है।साथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाईयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है, इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में विनिर्माण इकाईयों की स्थापना हेतु भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है, और यह आगे भी जारी हैं।भारत आज उन चुनिंदा देशों में से एक है, जिनके पास स्पेस क्षेत्र से सम्बंधित नवीनतम तकनीकी उपलब्ध है। भारत में स्पेस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था वर्ष 2030 तक 5 गुना तक बढ़ सकती है। वैश्विक स्तर पर एयरो स्पेस के क्षेत्र में मांग एवं आपूर्ति में असंतुलन के चलते भारत लाभ की स्थिति में पहुंच गया है क्योंकि कम लागत और कुशल इंजीनीयरिंग टैलेंट आज भारत में ही सम्भव है।इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भारत आज केवल पुर्जों को इकट्ठा कर उत्पाद बनाने का कार्य करने तक सीमित नहीं है बल्कि इस क्षेत्र में उच्चस्तरीय उत्पादों का निर्माण भी करने लगा है। 6 वर्षों में मोबाइल कम्पोनेंट में घरेलू वैल्यू एडीशन लगभग 20 प्रतिशत से बढ़कर 50 प्रतिशत तक होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। सोलर के क्षेत्र में भारत आज वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा सोलर पीवी का उत्पादक देश बन गया है। इसका परिणाम यह है कि वर्तमान में भारत की 35 की सोलर क्षमता चालू है एवं 100की क्षमता पर निर्माण कार्य चालू है।एशिया की सबसे बड़ी 100 कम्पनियों की सूची में आज भारत की 34 कम्पनियां शामिल हो चुकी हैं। कुल मिलाकर, पूर्व में भारत केवल फार्मा, टेक्सटायल, चमड़ा उत्पाद, कृषि उत्पाद (मसाला, आदि) स्टील, ऑटोमोबील एवं सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में ही वैश्विक स्तर पर उक्त उत्पादों का निर्यात करने में सफल हो रहा था परंतु आज स्थितियां बदल गई हैं एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे डाटा केंद्र, सेमीकंडक्टर उत्पादन, स्पेस क्षेत्र, इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र, सोलर क्षेत्र, सुरक्षा क्षेत्र में भी वैश्विक स्तर पर भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत में उपलब्ध टैलेंट एवं श्रम के भरोसे विश्व की कई बड़ी कम्पनियों के बीच आज भारत में विशाल वैश्विक योग्यता केंद्रों (जीसीसी) की स्थापना करने की होड़ सी लग गई है। ब्रिटेन में फार्मा के क्षेत्र में कार्य करने वाली कम्पनी - एस्ट्रा जेनेका ने चेन्नई में एक विशाल वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है। बैंक ऑफ अमेरिका ने अपना सबसे बड़ा बैक ऑफिस कार्यालय पुणे में स्थापित किया है, इस बैंक के पूरे विश्व में बैक ऑफिस में कार्य कर रहे 11,000 कर्मचारी इस केंद्र का ब्रेन बन गए हैं। अमेरिका के सबसे पुराने वित्तीय संस्थानों में से एक बैंक ओफ न्यूयॉर्क, मेलोन ने पुणे एवं चेन्नई में वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना की है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में कार्य करने वाली बोस्टन की एक कम्पनी ने फरवरी 2026 में हैदराबाद में विशाल स्तर पर अपने एक अंतरराष्ट्रीय कार्यालय की स्थापना की है। बैंकिंगबेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई एवं पुणे में आज 1,700 से अधिक वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, इन केंद्रों में 19 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं। भारत आज आउटसोर्सिंग हब से आगे बढ़कर उच्च स्तरीय टैलेंट केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। भारत में स्थापित किए गए कुल वैश्विक योग्यता केंद्रों में से लगभग 65 प्रतिशत केंद्र अमेरिकी कम्पनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं।

इन कम्पनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में की जा रही रीसर्च का कार्य इन केंद्रों पर सम्पन्न हो रहा है एवं टेक्नॉलजी के क्षेत्र में नए नए उत्पादों का निर्माण भी इन्हीं केंद्रों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही अमेरिका की ही एक कम्पनी ट्रूब्रिज ने भी फरवरी 2026 में मुंबई में वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है, इस केंद्र को आगे आने वाले समय में और अधिक विस्तार दिया जाने वाला है। इसी प्रकार, बीमा, बैंकिंग, स्वास्थ्य, साइबर सिक्युरिटी, फार्मा एवं सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्यरत अनेक कंपनियां भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं।

राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के विद्यार्थियों का दिन राहत भरा रहेगा और वे नया शेड्यूल बनाने का विचार कर सकते हैं। फोन का इस्तेमाल कम से कम करें। पैसों के मामलों में लोगों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए। किसी को उधार पैसा देने में सोच-विचार करना बेहतर रहेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपकी योजनाओं के अनुसार सभी काम पूरे होने से आपका मन काम में लगा रहेगा। सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ सकती है। आपको अपने जीवनसाथी से काम में पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा। व्यापार में साझेदारी से लाभ हो सकता है।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। अपने बिजनेस को बढ़ाने के लिए आपको नए अवसर मिलेंगे। उधार दिया हुआ पैसा अचानक वापस मिल सकता है। व्यापार में किसी व्यक्ति से लाभ मिलने की उम्मीद बढ़ेगी। भाई-बहनों से आपको पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका पूरा ध्यान काम को पूरा करने में लगा रहेगा। किस्मत का साथ मिलने में थोड़ी परेशानी आ सकती है। ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार-विमर्श करना पड़ सकता है; विरोधी पक्ष आपकी योजनाओं से प्रभावित हो सकता है। इस राशि के जो लोग बड़ी कंपनियों में काम करते हैं, उनके लिए आज का दिन बेहद खास है।

सिंह राशिः आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान निकल सकता है, जिससे मन में प्रसन्नता रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्यों की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन में कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे। आपका स्वास्थ्य बेहतर बना रहे, इसके लिए आपको संतुलित आहार लेना चाहिए।

कन्या राशिः आज आपका दिन अच्छे मूड से शुरू होने वाला है। आज माता-पिता से किसी काम के लिए ली गई सलाह कारगर साबित होगी। राजनीति व सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। महिलाओं के लिए आज का दिन शानदार रहेगा। व्यापारी वर्ग आज कोई जरूरी मीटिंग अटेंड कर सकते हैं। आज किसी पुराने ऋण से छुटकारा मिलेगा, जिससे आपकी चिंता समाप्त होगी।

तुला राशि : आज आपका दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। बिजनेस के क्षेत्र में आपको बड़ा धन लाभ हो सकता है। विरोधी पक्ष आज आपसे दूरी बनाकर रहेगा। जो लोग लकड़ी के व्यापार से जुड़े हैं, आज उनको कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है।

वृश्चिक राशिः आज आपके दिन की शुरूआत आपके अनुकूल होने वाली है। अगर किसी बिजनेस ट्रिप के लिए आप बाहर जा रहे हैं, तो घर के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लेकर जाएं; आपका काम सफल होगा। आज आपके जीवनसाथी को तरक्की का अच्छा अवसर मिलेगा। कूरियर का बिजनेस कर रहे कारोबारियों को आज विशेष लाभ होगा।

धनु राशिः आज आपका दिन पहले की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आप परिवार वालों के साथ समय बिताएंगे; साथ ही जीवनसाथी के साथ लंबी बातचीत हो सकती है, जिससे आपके रिश्ते बेहतर होंगे। दोस्तों के साथ घर पर ही मूवी देखने की योजना बना सकते हैं। आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है, जिससे आपको भविष्य में लाभ हो सकता है।

मकर राशिःआज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। एकाग्र मन से किया गया काम लाभदायक साबित होगा। लवमेट्स के लिए आज का दिन बढि?ा है; साथ ही किसी अच्छे रेस्तरां में भी जा सकते हैं। किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए। आज आपकी सेहत ठीक-ठाक रहेगी। आप कम से कम समय में काम निपटाने की कोशिश करेंगे।

कुंभ राशि : आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आप किसी बात को लेकर थोड़ी उलझन में रह सकते हैं। परिवार वालों के साथ बाहर मूवी जाने का प्लान बन सकता है। दोस्तों की बर्थडे पार्टी में जा सकते हैं, जहाँ बाकी दोस्तों के साथ एंजॉय करने का मौका मिलेगा। कोई नई स्किल सीख सकते हैं, जिसका लाभ आपको भविष्य में जरूर मिलेगा।

सू- दोकू क्र.175

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.174 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

नजरिया | नीरज कुमार दुबे ।

छात्रों के कार्यक्रम में नकारात्मक राजनीति क्यों?

यदि किसी छात्र को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल रही, यदि परीक्षा व्यवस्था को लेकर उसके मन में चिंता है, यदि रोजगार उसके भविष्य का सबसे बड़ा प्रश्न है या किसी छात्रा के सामने सुरक्षित और किफायती आवास की समस्या है, तो राजनीति का दायित्व है कि वह इन प्रश्नों को मजबूती से उठाए।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति संवाद है। सरकार और विपक्ष के बीच वैचारिक विरोध होना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन जब राजनीतिक संवाद का केंद्र नीतियों और जनसमस्याओं से हटकर व्यक्तियों पर टिप्पणियों, आरोपों, कटाक्षों और उपहास तक सीमित होने लगे तो लोकतांत्रिक विमर्श की गंभीरता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। वर्तमान में भारत की राजनीति में सबसे बड़ा सवाल यह है कि राजनीतिक दल रचनात्मक विरोध की जगह अनुचित आरोप प्रत्यारोप की परिधि में लगातार सक्रिय हैं। इस प्रकार की राजनीति देश के लोकतंत्र के उत्थान का मार्ग बिलकुल भी तैयार नहीं कर सकती।अभी कुछ पूर्व इंदौर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के छात्रों की गूंज कार्यक्रम से जुड़ा मिमिक्री विवाद इसका ताजा



उदाहरण है। कार्यक्रम का मूल विषय विद्यार्थियों की समस्याओं, शिक्षा, परीक्षाओं, रोजगार और छात्रावास जैसी चिंताओं से जुड़ा था। लेकिन ऐसा लगा कि कार्यक्रम अपने मूल उद्देश्य से भटक कर आरोपों और व्यक्तिगत खिल्ली उडाने पर ही केंद्रित होकर रह गया। आज चिंता इस बात की है कि छात्रों के सामने समस्या नहीं समाधान की चर्चा होना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्रों के सामने इस अंदाज में अपनी बात रखने का प्रयास किया कि छात्र सरकार के विरोध में खड़े हो जाएं। जिन बातों का उल्लेख छात्रों के समक्ष होना चाहिए, वे मुद्दे भी कार्यक्रम में पूरी तरह गायब दिखाई दिए। ऐसे में सवाल उठता है कि हमारे राजनीतिक दल छात्रों को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं। नोट्सडाउनलोड करें

हालांकि कार्यक्रम में कुछ मुद्दों पर सरकार पर सवाल भी उठाए। लेकिन ऐसे सवाल छात्रों के बीच नहीं आना चाहिए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते राजनीतिक बहस का प्रमुख विषय बन गया। विपक्ष की ओर से इसे राजनीतिक व्यंग्य और अभिव्यक्ति के अधिकार के संदर्भ में देखा गया। क्या अभिव्यक्ति इस प्रकार की होना चाहिए, कदापि नहीं।यहां प्रश्न केवल मिमिक्री का नहीं है। प्रश्न यह है कि क्या राजनीतिक कार्यक्रमों में गंभीर मुद्दों को केंद्र में रखने के बजाय व्यक्तिगत कटाक्ष और उपहास को अधिक स्थान मिलना चाहिए?राजनीति में व्यंग्य कोई नई बात नहीं है। लोकतंत्र में व्यंग्य सत्ता से सवाल पूछने का माध्यम भी रहा है। नेता, सरकारें और नीतियां आलोचना के विषय बनती रही हैं। लेकिन व्यंग्य और व्यक्तिगत अवमानना के बीच एक महीन रेखा होती है। राजनीतिक विरोध कितना तीखा हो, यह राजनीतिक परिस्थितियां तय कर सकती हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में भाषा और व्यवहार की मयार्दा का प्रश्न हमेशा बना रहता है।इंदौर की घटना में भी यही बहस सामने आई। इस पूरे प्रसंग से एक बड़ा सवाल जरूर निकलता है कि क्या विद्यार्थियों के मंच पर विद्यार्थियों के मूल प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? सरकारीयोजनाएं खोजेंयदि किसी छात्र को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल रही, यदि परीक्षा व्यवस्था को लेकर उसके मन में चिंता है, यदि रोजगार उसके भविष्य का सबसे बड़ा प्रश्न है या किसी छात्रा के सामने सुरक्षित और किफायती आवास की समस्या है, तो राजनीति का दायित्व है कि वह इन प्रश्नों को मजबूती से उठाए। इन सवालों के उत्तर भी उसी गंभीरता से मांगे जाने चाहिए। विपक्ष यदि सरकार की शिक्षा नीति से असहमत है तो उसे आंकड़ों के साथ अपना पक्ष रखना चाहिए।

विचार

सेवा संकल्प अभियान
सेवा ही मेरा योगदान

कभी बारिश में टपकती छत और कमजोर दीवारों के बीच रात गुजारने को मजबूर परिवार आज अपने पक्के घर में सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना जशपुर जिले के ऐसे हजारों परिवारों के लिए केवल एक आवास योजना नहीं, बल्कि वर्षों पुराने सपने को साकार करने और जीवन में स्थायित्व लाने का माध्यम बनी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जिले में अब तक 1 लाख 12 हजार 948 आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 96 हजार 801 आवास पूर्ण हो चुके हैं।प्रधानमंत्री आवास योजना के साथ प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों तक भी पक्के आवास और बुनियादी सुविधाएं पहुंच रही हैं। वहीं मुख्यमंत्री साय की मंशा के अनुरूप आवास प्लस 2.0 के तहत पूर्व में छूटे परिवारों का सर्वेक्षण कर पात्रतानुसार उन्हें भी योजना से जोड? की दिशा में कार्य किया जा रहा है।कच्चे मकान की चिंता खत्म, पक्की छत ने दिया सुरक्षा और सम्मान का भरोसाजशपुर जिले के अनेक परिवारों का जीवन वर्षों तक कच्चे मकानों में अभाव और कठिनाइयों के बीच बीता। कमजोर दीवारें, टूटी-फूटी छत और बरसात के दिनों में घर के भीतर टपकता पानी उनकी रोजमर्रा की परेशानी का हिस्सा था। बारिश के दौरान सामान को भीगने से बचाना और परिवार के लिए सुरक्षित जगह तलाशना बड़ी चुनौती होती थी। सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण अपना पक्का घर बनाना ऐसे परिवारों के लिए आसान नहीं था।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने इस स्थिति को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पक्की छत मिलने से परिवारों को मौसम की मार से सुरक्षा के साथ अपने घर में सम्मानपूर्वक जीवन जीने का भरोसा मिला है। आज ये आवास केवल ईंट और सीमेंट से बने मकान नहीं, बल्कि परिवारों के बेहतर भविष्य, सुरक्षा और आत्मसम्मान की मजबूत नींव बन रहे हैं।प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जशपुर जिले में अब तक कुल 1 लाख 12 हजार 948 आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं। इनमें 96 हजार 801 आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है। इन पक्के घरों में हजारों परिवार अब अपने बच्चों और परिजनों के साथ सुरक्षित जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

शुभ के चिंतन में शुभचिंतक की चिंता साधना

आपकी लोकप्रियता भी शुभचिंतक के हीमोग्लोबिन स्तर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आप जितने लोकप्रिय होते जाते हैं, उसकी मुस्कान उतनी ही कृत्रिम और चिंता उतनी ही प्राकृतिक होती जाती है।एक दौर था, जब दूसरे के शुभ, भले या हित के लिए चिंता करने वाले को शुभचिंतक माना जाता था।समय बदला, समाज बदला और सिचुएशन के साथ शुभचिंतक भी बदल गए। नाम आज भी वही है, लेकिन अर्थ और आशय ने करवट ले ली है। आपके शुभ अर्थात हित पर जिनकी चिंता बढ़ जाए, वो ही शुभचिंतक की श्रेणी में जाने जाते हैं। यह और बात है कि चिंतित होने वाले ऐसे शुभचिंतक कभी-कभी स्वयं ही चिंता का विषय बन जाते हैं।शुभचिंतक नर और मादा, किसी भी जीवित स्वरूप में हो सकता है। वह किसी भी लिंग, जाति या धर्म का हो सकता है। रिश्तेदार हो सकता है, पड़ोसी हो सकता है, सहकर्मी हो सकता है और कभी-कभी ऐसा अपरिचित भी हो सकता है, जिसे आपके जीवन की चिंता आपसे अधिक होती है।आपके घर में शुभ समाचार आए, धन-लाभ हो, सम्मान मिले, कोई उपलब्धि हासिल हो या घर में किसी शुभागमन की तैयारी हो, प्रत्येक स्थिति शुभचिंतक के लिए चिंता का विषय बन जाती है। मन में खटास, गले में बधाई और मुंह में मिठाई–यानी खटाई, बधाई और मिठाई की इस त्रयी पैकेज का कॉपीराइट अब सिर्फ.शुभचिंतकों के पास ही सुरक्षित है।सहकर्मी शुभचिंतक हो तो आपकी कार्यशैली, पदोन्नति और वरिष्ठ अधिकारियों का आपके प्रति स्नेह उसके आंतरिक तापमान को लगातार बढ़ाता रहता है। अलग बात है कि स्वयं को सामान्य रखने की साधना में कुशल वह ऐसा प्रदर्शित करता है, मानो आपकी सफलता से अधिक प्रसन्न इस संसार में कोई दूसरा हो ही नहीं सकता।आपकी लोकप्रियता भी शुभचिंतक के हीमोग्लोबिन स्तर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। आप जितने लोकप्रिय होते जाते हैं, उसकी मुस्कान उतनी ही कृत्रिम और चिंता उतनी ही प्राकृतिक होती जाती है।मित्रों की उन्नति पर जलन के बावजूद बनावटी मुस्कान के साथ ह्यबहुत बढ़ियाह्न कहने की कला में शुभचिंतक पारंगत होते हैं। वे आपके साथ न होकर भी सदैव आपके साथ होने का अहसास कराते हैं।शुभचिंतक का एक पर्याय हितैषी यानी आपके हित की इच्छा रखने वाला है। लेकिन आजकल हितैषियों का उद्देश्य भी हित की ऐसी-तैसी करना रह गया है।कुल मिलाकर, शुभचिंतक आपके शुभ की चिंता कम और आपके शुभ होने पर चिंता अधिक करते हैं।

शब्द सामर्थ्य -175

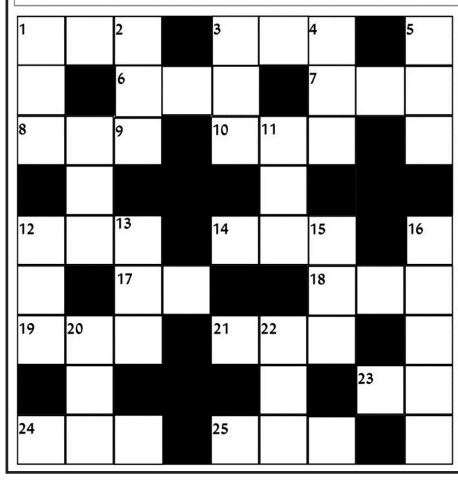
(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 174 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

जल जन सेवा संकल्प : दमाऊ नाला व्यपवर्तन क्षेत्र में जन-चौपाल एवं किसान जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। जल जन सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जल संसाधन विभाग द्वारा निर्धारित पंचांग के अनुसार दमाऊ नाला व्यपवर्तन के नवीन भ्रमण स्थल एवं कमांड क्षेत्र में जन-चैपाल एवं किसान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों से सीधे संवाद स्थापित कर सिंचाई व्यवस्था, जल संरक्षण एवं नहर प्रबंधन से संबंधित विषयों पर चर्चा करना रहा। कार्यक्रम में जल संसाधन उपसंभाग क्रमांक-3, सहसपुर लोहारा के अनुभागीय अधिकारी राहुल पंत एवं उप अभियंता ओम प्रकाश कुलमित्र उपस्थित रहे। जन-चैपाल में ग्राम पंचायत के सरपंच, ग्राम सचिव, वरिष्ठ एवं बुजुर्ग नागरिकों के साथ बड़ी संख्या में कृषकों ने सहभागिता की।



अंतिम छोर तक पहुंच रहा सिंचाई का पानी

जन-चैपाल के दौरान किसानों से नहर के अंतिम छोर तक सिंचाई का पानी पहुंचाने, जल संरक्षण तथा सिंचाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के संबंध में चर्चा की गई। किसानों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि इस वर्ष दमाऊ नाला व्यपवर्तन के अंतिम छोर तक पानी सफलतापूर्वक पहुंच रहा है। किसानों ने इसके लिए ग्रीष्मकाल में विभाग द्वारा वार्षिक मरम्मत के अंतर्गत नहर की कराई गई साफ-सफाई को महत्वपूर्ण बताया।

नहर सुदृढ़ीकरण के लिए 3 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति

कार्यक्रम में किसानों को जानकारी दी गई कि दमाऊ नाला व्यपवर्तन के नहर सुदृढ़ीकरण के लिए शासन स्तर से 3 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। वर्तमान में कार्य की निविदा प्रक्रिया प्रक्रियाधीन है। निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने तथा खेतों में फसल कटाई के बाद नहर के सुदृढ़ीकरण एवं साफ-सफाई का कार्य प्रारंभ किया जाएगा। नहर के सुदृढ़ीकरण एवं आवश्यक मरम्मत कार्य पूर्ण होने से क्षेत्र के दूरस्थ ग्रामों तक सिंचाई का पानी पहुंचाने में सुविधा होगी। इसके साथ ही क्षेत्र के निस्तारी तालाबों तक भी पानी की उपलब्धता बेहतर होने की संभावना है।

रबी फसल के लिए भी बेहतर होगी सिंचाई व्यवस्था

चर्चा के दौरान किसानों ने बताया कि दमाऊ नाला व्यपवर्तन में जनवरी से फरवरी माह तक पर्याप्त पानी उपलब्ध रहता है। नहर के सुदृढ़ीकरण से उपलब्ध जल का अधिकतम उपयोग किया जा सकेगा, जिससे आगामी समय में रबी फसल के लिए सिंचाई की व्यवस्था को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

किसानों से लिए गए सुझाव

जन-चैपाल में किसानों ने नहर के विभिन्न स्थानों पर आ रही समस्याओं की जानकारी अधिकारियों के समक्ष रखी। किसानों ने नहर के आवश्यक स्थानों पर सुदृढ़ीकरण, डिजाइन एवं पक्कीकरण से संबंधित अपने सुझाव भी दिए। अधिकारियों ने किसानों की समस्याओं एवं सुझावों को गंभीरता से सुना तथा आवश्यक बिंदुओं को संज्ञान में लिया। जल संसाधन विभाग द्वारा आयोजित यह जन-चैपाल जल संरक्षण, जल संवर्धन एवं कृषक कल्याण से जुड़े विषयों पर विभाग और किसानों के बीच सीधे संवाद का माध्यम बनी।

कलेक्टर ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की समस्याएं



कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आम नागरिकों की समस्याएं एवं मांगें सुनीं। उन्होंने इस दौरान प्राप्त आवेदनों का संवेदनदशीलता के साथ जांच करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनदर्शन में ग्राम आटेंगा के बुधराम नेताम ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत पक्की सड़क की मांग करते हुए बताया किग्राम ओटेण्डा कपेना चौंक से ग्राम भर्रापारा होते हुए 5 किलोमीटर दूरी तक का मार्ग बरसात के दिनों में आवागमन करने में बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने समस्त ग्रामवासियों की ओर से आवेदन करते हुए पक्की सड़क की मांग की। ग्राम दहिकोंगा निवासी साधना कश्यप ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान की मांग की। ग्राम काटागांव निवासी लच्छुराम महावीर और सुरेन्द्र नाग ने प्राकृतिक आपदा एवं जल भराव से हुए क्षति के लिए सहायता राशि की मांग की। ग्राम बंजोड़ा निसी अर्जुन नाग ने उप स्वास्थ्य केन्द्र में स्टाफ की कमी से ग्रामीणों को होने वाली समस्याओं से अवगत कराते हुए एक और कर्मचारी की व्यवस्था करने की मांग की। इसी तरह विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

स्वस्थ हृदय स्वस्थ जीवन का आधार : मेडिकल टीम



लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। विश्व हृदय दिवस हर साल 29 सितंबर को दिल के बीमारियों के प्रति जागरूकता के लिए मनाया जाता है ऐसा डॉक्टर होता हैजो दिल और रक्त वाहिकाओ का बीमारियों का इलाज करता है उनकी सोच और काम करने का तरीका और निर्णय लेने की प्रक्रिया पूरी तरह से वैज्ञानिक व्यावहारिक और मरीज की सुरक्षा पर टिकी होती है अस्वस्थ जीवन शैली तनाव लगातार गलत आदतों में होने वाले खतरों के बारे में लोगों को बताना शुरुआती लक्षणों को पहचान कर समय पर उपचार के लिए प्रेरित करना 50 बिस्तर मातृ शिशु अस्पताल में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर जी एस दाऊ के द्वारा मरीजों को हृदय के स्वस्थ होने के बारे में पूरी तरह से जानकारी दी और मरीज को जागरूक किया और कहा इस समय आप लोग अपने शरीर काख्याल रखें और नियमित चेकअप करवाते रहे मेडिकल टीम के प्रमुख सदस्य राजेंद्र साहू जी ने कहा हम सबको अपने शरीर की नियमित जांच करानी चाहिए और शरीर को पूरा ख्याल रखना चाहिए खासकर हृदय में ज्यादा अटैक का खतरा होता है जिसको हम समय में जांच करवाते रहें और अपनी शरीर को स्वस्थ करते हैं इसी प्रकार से हमारी मेडिकल टीम आज सभी मरीजों से मिलकर उनको जागरूक किया प्रमुख रूप से डॉक्टर जी एस दाऊ शैलेंद्र कुमार पांडे अनिता राय वेदमाती साहू सतीश देवांगन रवि राजपूत बबलू निषाद मेडिकल टीम के अध्यक्ष मिंटू छावड़ा मेडिकल टीम के प्रमुख सदस्य राजेंद्र साहू जितेंद्र साहू जितेंद्र राजपूत दीपक साहू तिरिथ साहू टोकश्वर साहू एवं अस्पताल का स्टाफ मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर 100 वरिष्ठजनों का होगा सम्मान

बालोद। वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा, संरक्षण और सम्मान के प्रति समाज में सकारात्मक वातावरण विकसित करने के उद्देश्य से जिले में अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम 1 अक्टूबर 2026 को जिला स्तरीय आयोजन के रूप में गंगा मैया मंदिर प्रांगण, झलमला, विकासखंड एवं जिला बालोद में आयोजित होगा। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के 100 वरिष्ठजनों का सम्मान किया जाएगा। सम्मान स्वरूप वरिष्ठ नागरिकों को शॉल एवं श्रीफल भेंट किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान आवश्यकता के अनुसार वरिष्ठ नागरिकों को उपयोगी सहायक उपकरण भी प्रदान किए जाएंगे। इनमें वॉकिंग स्टिक (छड़ी) और श्रवण यंत्र सहित अन्य आवश्यक उपकरण शामिल हैं। इस पहल का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान के साथ-साथ उनकी दैनिक आवश्यकताओं में सहयोग प्रदान करना है। समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

गंभीर बीमारियों से पीड़ित अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के मरीजों को मिलेगी चिकित्सा सहायता

कोण्डागांव। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधीन डॉ. आंबेडकर फाउंडेशन द्वारा अनुसूचित जाति (SC) एवं अनुसूचित जनजाति (ST) वर्ग के गंभीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए संचालित डॉ. आंबेडकर मेडिकल एड स्कीम में वर्ष 2026 में व्यापक संशोधन किया गया है। स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार यह योजना जनवरी 2004 से संचालित है। इसके तहत गंभीर एवं जीवन-घातक बीमारियों से पीड़ित ऐसे अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के मरीजों को चिकित्सा सहायता प्रदान की जाती है, जिनके परिवार की वार्षिक आय 5 लाख रुपये से कम है।

सेवा संकल्प अभियान के साथ कवर्धा वनमंडल में मनाया जाएगा वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह

02 से 08 अक्टूबर तक भोरमदेव अभयारण्य में होंगे विविध जन-जागरूकता कार्यक्रम

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। सेवा संकल्प अभियान की भावना के अनुरूप कवर्धा वनमंडल द्वारा 02 से 08 अक्टूबर 2026 तक वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह का आयोजन किया जाएगा। वनमंडलाधिकारी कवर्धा निखिल अग्रवाल के निर्देशन एवं भोरमदेव अभयारण्य की अधीक्षक श्रीमती अनिता साहू के मार्गदर्शन में आयोजित इस सप्ताह के दौरान विद्यार्थियों, युवाओं, पर्यटकों और आम नागरिकों को वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण से जोड़ने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

वन्यप्राणी संरक्षण सप्ताह का उद्देश्य वन्यजीव, वन एवं जैव विविधता के संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाना, मानव-वन्यजीव सह-अस्तित्व को प्रोत्साहित करना तथा प्रकृति के प्रति जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देना है। यह आयोजन प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वच्छता, वृक्षारोपण, जल संरक्षण और जनभागीदारी की भावना को आगे बढ़ाएगा।

दिनवार होंगे कार्यक्रम

सप्ताह का शुभारंभ 02 अक्टूबर को सुबह 7 बजे भोरमदेव कार्यक्रम मैदान से वन्यजीव जागरूकता रैली के साथ होगा। रैली के बाद भोरमदेव मैदान से शनि मंदिर तक स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

03 अक्टूबर को चिल्फी स्कूल में स्कूली विद्यार्थियों के लिए वन्यजीव जागरूकता सत्र तथा स्थानीय युवाओं के साथ भोरमदेव अभयारण्य में गाइडेड नाइट-लाइफ अनुभव कराया जाएगा।

04 अक्टूबर को भोरमदेव से थावरझोल तक तितली एवं प्रकृति यात्रा (नेचर वॉक) का आयोजन होगा। इसमें प्रशिक्षित गाइड द्वारा प्रतिभागियों को



तितलियों के अवलोकन एवं पहचान की जानकारी दी जाएगी।

05 अक्टूबर को कॉलेज विद्यार्थियों के लिए करियाआमा गेट, भोरमदेव में 'अपने जंगल को जानो' एक्सपोजर विजिट आयोजित होगी। इसमें पेड़, पक्षी एवं तितलियों की पहचान के साथ फील्ड आधारित प्रकृति शिक्षा दी जाएगी।

06 अक्टूबर को काष्ठागार डिपो, कवर्धा में फ्रंटलाइन स्टाफ के लिए संवेदीकरण कार्यक्रम होगा। वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया (WTI) द्वारा वन्यजीव कॉरिडोर, अवैध गतिविधियों की रोकथाम, ट्रैप कैमरा एवं गश्ती जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

07 अक्टूबर को आत्मानंद स्कूल एवं सरस्वती शिशु मंदिर, कवर्धा में वन्यजीव फिल्म प्रदर्शन, प्रश्नोत्तरी एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। विशेषज्ञ श्री बलबीर विश्वकर्मा द्वारा वन्यजीव एवं प्रकृति विषय पर स्टोन पेंटिंग और संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया जाएगा।

08 अक्टूबर को वनमंडल कवर्धा में प्रमाण-पत्र वितरण एवं अभिनंदन समारोह के साथ सप्ताह का समापन होगा। इस दौरान रील्स एवं वन्यजीव फोटोग्राफी प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

वन क्षेत्र को स्वच्छ रखने की अपील*

भोरमदेव अभयारण्य की अधीक्षक श्रीमती अनिता साहू ने आमजन, विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं पर्यटकों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रमों में सहभागिता की अपील की है। उन्होंने लोगों से वन क्षेत्र में प्लास्टिक एवं अन्य कचरा नहीं फेंकने, निर्धारित स्थान पर ही कचरे का निपटान करने तथा वन एवं वन्यप्राणियों को किसी प्रकार की क्षति नहीं पहुंचाने का आग्रह किया है।

उन्होंने कहा कि वन एवं वन्यजीवों का संरक्षण तथा स्वच्छता केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कवर्धा वनमंडल ने अपील की है—

"आइए, सेवा का संकल्प लें, वन्यप्राणियों एवं प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लें। भोरमदेव को स्वच्छ रखें और इसकी प्राकृतिक सुंदरता को बनाए रखें।"

जमीन रजिस्ट्री के नाम पर फर्जी चेक देकर धोखाधड़ी दामापुर पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

पंडरिया/कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक कबीरधाम जितेन्द्र कुमार यादव (भा.पु.से.)के मार्गदर्शन में थाना कुण्डा अंतर्गत चौकी दामापुर क्षेत्र में दर्ज धोखाधड़ी के प्रकरण में पुलिस द्वारा प्रभावी विवेचना करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रकरण में प्रार्थी मनकी राम भास्कर पिता स्व. विशाल भास्कर द्वारा 14 सितम्बर को पुलिस चौकी दामापुर में उपस्थित होकर लिखित आवेदन प्रस्तुत किया गया था। प्रार्थी द्वारा अपनी भूमि के संबंध में आरोपियों द्वारा चेक के माध्यम से राशि का भुगतान दर्शाते हुए भूमि का रजिस्ट्रीकरण कराए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

रिपोर्ट के अनुसार प्रार्थी की भूमि खसरा नंबर 29/9, रकबा 0.6150 हेक्टेयर के संबंध में दिनांक 01.07.2026 को तथा खसरा नंबर 51/05 एवं 52/01, रकबा क्रमशः 0.2590 एवं 0.1910 हेक्टेयर



के संबंध में दिनांक 19.02.2026 को आरोपियों द्वारा अपने बैंक खाते से जारी आईडीएफसी बैंक के चेक प्रस्तुत किए गए थे। उक्त चेकों में क्रमशः 12,30,000 रुपये एवं 10,30,000 रुपये की राशि अंकित थी। प्रार्थी के अनुसार उक्त चेकों के आधार पर भूमि का रजिस्ट्रीकरण कराया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना कुण्डा में अपराध क्रमांक 134/2026, धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

विवेचना के दौरान पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत भूमि एवं रजिस्ट्री से संबंधित दस्तावेजों को विधिवत जप्त किया गया। आरोपियों के बैंक खाते एवं संबंधित चेकों के संबंध में बैंक से आवश्यक जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही उप पंजीयक कार्यालय पंडरिया से भी संबंधित रजिस्ट्री एवं अभिलेखों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर उनका परीक्षण किया गया। विवेचना के दौरान उपलब्ध दस्तावेजी एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध अपराध घटित करना पाए जाने पर पुलिस द्वारा वैधानिक कार्यवाही करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपियों में करन कुमार टण्डन, किशन कुमार टण्डन एवं बलीराम टण्डन, सभी निवासी ग्राम गिरधारीकापा, पुलिस चौकी दामापुर, थाना कुण्डा, जिला कबीरधाम शामिल हैं। तीनों आरोपियों को दिनांक 29.09.2026 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है।

प्रकरण में पुलिस द्वारा बैंक संबंधी अभिलेख, रजिस्ट्री दस्तावेज एवं अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्यों का संकलन कर परीक्षण किया जा रहा है। प्रकरण की विवेचना जारी है तथा विवेचना में प्राप्त होने वाले अन्य तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

उक्त कार्यवाही में चौकी दामापुर प्रभारी निरीक्षक श्री रोसन लाल टोंडरे के नेतृत्व में आरक्षक क्रमांक 120 हेमंत चंद्रवंशी, आरक्षक क्रमांक 550 दिलीप लहरे, आरक्षक क्रमांक 930 फागू एवं आरक्षक क्रमांक 1004 अजय पैकरा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कठिन समय में दिव्यांग संगीता को योजनाओं का मिला सहारा

कोण्डागांव। राज्य शासन एवं केंद्र शासन द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ लेकर जिले की अनेक महिलाएं अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही हैं। कोण्डागांव जिले के तहसीलपारा की दिव्यांग संगीता पोयाम घरेलू कामकाज कर अपने परिवार का पालन-पोषण करती थीं।

दूसरी संतान के रूप में बेटी के जन्म से पहले गर्भावस्था के दौरान उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। गर्भावस्था के कारण वे पहले की तरह काम नहीं कर पा रही थीं और जिस घर में वे काम करती थीं, वहां से भी उन्हें काम छोड़ना पड़ा। ऐसे समय में संगीता ने आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता से योजनाओं की जानकारी ली। कार्यकर्ता ने उन्हें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के बारे में बताया और योजना के तहत पंजीयन कराया। योजना से उन्हें 06 हजार रुपए की सहायता राशि प्राप्त हुई। इस राशि से उन्होंने



बच्चों के लिए आवश्यक सामान, दवाइयां तथा प्रसव के बाद अपने स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद ली।

संगीता बताती हैं कि इसके बाद उन्हें महतारी वंदन योजना का लाभ भी मिलने लगा। योजना से प्राप्त राशि को वे अपने बच्चों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए बचत के रूप में उपयोग कर रही हैं। उनका कहना है कि इन योजनाओं से मिली आर्थिक सहायता ने कठिन समय में उनके परिवार को सहारा दिया और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए बचत करने का अवसर भी मिला।

पुलिस अधीक्षक बालोद ने किया एनएच-30 मार्ग का किया गया सघन निरीक्षण

बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। पुलिस अधीक्षक किरण गंगाराम चव्हाण (भा.पु.से.) द्वारा आज दिनांक 29 सितम्बर 2026 को थाना पुरूर क्षेत्रांतर्गत आने वाले एनएच-30 मार्ग के लगभग 22 किलोमीटर हिस्से का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पूर्व में हुई सड़क दुर्घटनाओं के स्थलों एवं दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट चिन्हांकित स्थानों का मौके पर जाकर बारीकी से अवलोकन किया गया।

दुर्घटना संभावित एवं ब्लैक स्पॉट चिन्हांकित



क्षेत्रों का निरीक्षण कर सड़क सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु संकेतक, स्टॉपर एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने तथा वाहन चालकों को यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश।

पुलिस अधीक्षक द्वारा मड़कोटला घाटी, राजाराव पठार, जगतरा टोल प्लाजा, बालोदघाट मोड़, ग्राम पुरूर दुर्गावती चौक तथा ग्राम चिटौद हनुमान मंदिर के पास, ग्राम चिटौद हाउसिंग बोर्ड मोड़ एवं पुट्टू ढाबा के पास एनएच-30 मार्ग का निरीक्षण किया गया। इन स्थानों पर पूर्व में हुई दुर्घटनाओं के कारणों एवं दुर्घटना की संभावनाओं का अवलोकन कर सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए आवश्यक सांकेतिक चिन्ह, स्टॉपर एवं अन्य सुरक्षा उपाय लगाए जाने के संबंध में निर्देश दिए गए। साथ ही मड़कोटला घाटी में सोलर लैंप लगाए जाने सहित अन्य आवश्यक सुझाव दिए गए, ताकि रात्रि के समय दृश्यता एवं सड़क सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके।

OFFICE OF THE SUPERINETENDING ENGINEER
PUBLIC WORK DEPARTMENT, BILASPUR CIRCLE
BILASPUR, CHHATTISGARH

AMENDMENT NOTICE

Amendment are made in N.I.T. No.320 dated24.09.2026:-

Existing Description	To be read
PAC amount – 19.99	PAC amount – 16.94

Other conditions will remain same.

Superintending Engineer
PWD, Bilaspur Circle
Bilaspur (CG)

G- 262703631/2

विराट कोहली ने आईसीसी वनडे रैंकिंग में मारी लंबी छलांग, नंबर 1 शुभमन गिल की कुर्सी पर खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी) भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने एक बार फिर से आईसीसी वनडे रैंकिंग में लंबी छलांग मारी है। वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी वनडे सीरीज के पहले ही मैच में कोहली ने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए नाबाद शतक ठोका था। इसका फायदा उन्हें इस बार की रैंकिंग में भी मिलता हुआ नजर आ रहा है। अभी भी टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल ही हैं, लेकिन अब उनकी पहले नंबर की कुर्सी पर खतरा जरूर दिख रहा है। कोहली और शुभमन में ज्यादा अंतर नहीं है।



आईसीसी की ओर से नई वनडे रैंकिंग जारी कर दी गई है। इसमें शुभमन गिल पहले नंबर पर कब्जा जमाए हुए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले मुकाबले में गिल ने 108 बॉल पर धमाकेदार अंदाज में 110 रन बनाए थे। इसमें 13 चौके और एक छक्का शामिल रहा। इसी पारी की बदौलत गिल की रेटिंग अब बढ़कर 816 की हो चुकी है। साल 2023 में उनकी रेटिंग 841 थी, अब वे उसके काफी करीब पहुंच चुके हैं।

इस बीच पूर्व कप्तान विराट कोहली ने भी लंबी छलांग मारी है। वे अब एक स्थान के फायदे के साथ नंबर दो पर पहुंच गए हैं। कोहली की रेटिंग अब बढ़कर 796 की हो गई है। कोहली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मुकाबले में 88 बॉल पर 139 रनों की नाबाद पारी खेलने में कामयाबी हासिल की थी। इस पारी में कोहली ने 10 चौके और 9 छक्के लगाए थे। इसी का फायदा उन्हें मिला है। विराट के आगे जाने से न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल एक स्थान नीचे यानी नंबर तीन पर चले गए हैं। उनकी रेटिंग 794 की है।

रोहित शर्मा अभी भी नंबर चार की कुर्सी पर काबिज

इस बीच रोहित शर्मा की बात करें तो वे नंबर चार पर बने हुए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले मैच में रोहित के बल्ले से ज्यादा रन नहीं आए थे। रोहित 35 बॉल पर 32 ही रन बनाकर आउट हो गए थे। इसमें दो चौके और तीन छक्के शामिल थे। आईसीसी वनडे रैंकिंग में रोहित की रेटिंग 753 की है। श्रीलंका के कुसल मेंडिस ने भी छलांग मारी है। वे तीन स्थानों के फायदे के साथ नंबर 7 पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग 674 की है।

एशियन गेम्स : चिकिता-साहिल ने आर्चरी में कंपाउंड मिक्स्ड टीम में जीता गोल्ड मेडल

नई दिल्ली (एजेंसी) एशियन गेम्स 2026 में भारत के लिए 8वां गोल्ड मेडल आर्चरी के मिक्सड इवेंट में चिकिता-साहिल की जोड़ी जीतने में कामयाब हुई है, जिसें उन्होंने फाइनल में साउथ कोरिया की जोड़ी को शूट-ऑफ में मात दी और ओलंपिक के लिए कोटा भी हासिल कर लिया।



एशियन गेम्स 2026 में भारत का आर्चरी में शानदार प्रदर्शन देखने को मिल रहा है, जिसमें साहिल जाधव और चिकिता तनिपार्थी की जोड़ी ने 30 सितंबर को हुए कंपाउंड मिक्स्ड टीम इवेंट के फाइनल मुकाबले में साउथ कोरिया की जोड़ी को शूट ऑफ में मात देने के साथ गोल्ड मेडल पर अपना कब्जा कर लिया है। इस पदक को जीतने के साथ चिकिथा-साहिल की जोड़ी ने अब साल 2028 में होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक गेम्स के लिए कोटा भी हासिल कर लिया। भारत के लिए एशियन गेम्स 2026 में आर्चरी के इवेंट में आने वाला यह दूसरा गोल्ड मेडल है जिसमें इससे पहले दिन की शुरुआत में चिकिता-प्रिथिका और ज्योति की तिकड़ी ने महिला कंपाउंड टीम इवेंट में गोल्ड मेडल जीता था। अब मेडल टैली में भारत के कुल पदकों की संख्या 54 हो गई है जिसमें 8 गोल्ड मेडल शामिल हैं।

शुरुआती तीन राउंड तक भारतीय जोड़ी ने बनाए रखी बढ़त, चौथे में मैच हुआ बराबर

आर्चरी के मिक्स्ड टीम इवेंट के फाइनल में चिकिता-साहिल की जोड़ी की शानदार शुरुआत देखने को मिली जिसमें पहला गेम खत्म होने के बाद वह 40-39 के अंतर से आगे थी। इसके बाद दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने अपनी बढ़त को और बढ़ाया जिसमें अंत होने पर 80-78 के अंतर से आगे थी। ऐसे में साहिल और चिकिता ने अपनी बढ़त को तीसरे गेम में भी बरकरार रखते हुए उसका अंत होने पर 118-117 से आगे थी। चौथा राउंड भारतीय जोड़ी के लिए उम्मीद के अनुसार नहीं रहा जिसमें साउथ कोरिया की जोड़ी ने जहां 40 अंक बटोरे तो वहीं भारतीय जोड़ी 39 अंक ही हासिल करने में कामयाब हो सकी जिसके चलते यह मुकाबला 157-157 की बराबरी पर आने से शूट ऑफ में चला गया।

मुकाबला शूट ऑफ में पहुंचने के बाद चिकिता ने शुरुआत में 10 का स्कोर किया तो वहीं साउथ कोरियाई खिलाड़ी पार्क ने भी 10 का स्कोर किया, लेकिन उनका तीर चिकिता के तीर की तुलना में सेंटर के अधिक करीब था। इसके बाद साहिल ने भी 10 का स्कोर किया, लेकिन उनका तीर भी पार्क के तीर की तुलना में सेंटर से थोड़ा दूर लग रहा था।

अजीत अगरकर का चैप्टर खत्म! क्या अब प्रज्ञान ओझा संभालेंगे कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर का चैप्टर लगता है कि अब समाप्त हो गया है। हालांकि बीसीसीआई की ओर से अब तक इस बारे में कोई ऐलान नहीं किया गया है।

इस बीच खबर ये है कि भारतीय टीम के पूर्व खिलाड़ी रहे प्रज्ञान ओझा को कुछ वक्त के लिए ये जिम्मेदारी दी जा सकती है, वे अंतरिम चीफ सेलेक्टर की भूमिका में नजर आएंगे। यानी आने वाले दिनों में काफी उठापटक देखने के लिए मिल सकती है।

टीम इंडिया अक्टूबर में ही न्यूजीलैंड के दौरे पर जाने वाली है। इसके लिए अभी तक टीम इंडिया का ऐलान नहीं हुआ है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच इस वक्त तीन वनडे मैचों की सीरीज चल रही है। जिसका आखिरी मुकाबला 3 अक्टूबर को होगा। इसके अगले दिन यानी 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान होने की संभावना है। माना जा रहा है कि उसी दिन साफ हो जाएगा कि क्या अजीत अगरकर का किस्सा खत्म हो गया है। क्रिकबज की रिपोर्ट में इस तरह का दावा किया गया है।

इस बीच भारत और वेस्टइंडीज के बीच 30 सितंबर को दूसरा मैच गुवाहाटी में खेला जाना है। इससे एक दिन पहले यानी मंगलवार को सिलेक्शन कमेटी की एक बैठक हुई है। इसमें अजीत अगरकर नजर नहीं आए। माना जा रहा है कि उनकी जगह प्रज्ञान ओझा टीम के अंतरिम चीफ सिलेक्टर बनाए जाएंगे। हो सकता है कि इसके कुछ दिन बाद प्रज्ञान को ही चीफ सेलेक्टर के तौर पर परमानेंट कर दिया जाए। प्रज्ञान ओझा करीब 40 साल के हैं और बाकी जो चयन समिति है, उसमें सबसे सीनियर भी हैं। ऐसे में चीफ सिलेक्टर के लिए उनका दावा सबसे मजबूत है। चयन समिति में एसएस दास, आरपी सिंह और अजय रात्रा पहले से ही मौजूद हैं।

जॉन कैंपबेल ने रच दिया इतिहास, भारत के खिलाफ ठोका सबसे तेज शतक, तोड़ा 27 साल पुराना कीर्तिमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जॉन कैंपबेल ने भारत के खिलाफ खेली जा रही वनडे सीरीज के दूसरे मैच में धमाकेदार बल्लेबाजी की। उन्होंने जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए शतक ठोकने का काम किया। वेस्टइंडीज का पहला विकेट जल्दी गिर गया था, लेकिन कैंपबेल ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखी और वेस्टइंडीज के बल्लेबाज के तौर पर भारत के खिलाफ सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड बना दिया। कैंपबेल ने अब से करीब 27 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त करने में कामयाबी हासिल की।



भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला खेला जा रहा है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। टीम का पहला विकेट जल्दी गिर गया, जब सलामी बल्लेबाज केसी कार्टी केवल 9 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें प्रसिद्ध ने पवेलियन भेजा। पहला विकेट जल्दी गिरने के बाद भी कैंपबेल ने अपनी बल्लेबाजी धीमी नहीं की और तेजी से रन बनाते रहे। उन्होंने भारत के करीब करीब हर गेंदबाज की धुनाई की।

भारत के खिलाफ वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले वेस्टइंडीज के बल्लेबाज बने

कैंपबेल अब वेस्टइंडीज की ओर से भारत के खिलाफ सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने केवल 65 बॉल पर अपना शतक पूरा किया। इससे पहले भारत के खिलाफ किसी वेस्टइंडीज के बल्लेबाज ने सबसे तेज शतक 72 बॉल पर लगाया था। साल 1999 में रिकॉर्डो पॉवेल ने सिंगापुर में भारत के खिलाफ 72 बॉल पर शतक लगाया था।

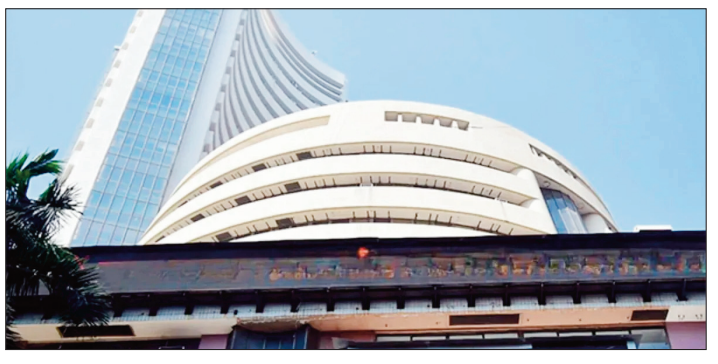
व्यापार

सेंसेक्स-निफ्टी गिरावट के साथ हुए बंद मेटल-फार्मा शेयरों में भारी बिकवाली

मुंबई (एजेंसी)। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी 30 सितंबर को भारतीय शेयर बाजार भारी उतार-चढ़ाव के बाद अंत लाल निशान में ही बंद हुआ। दिन की शुरुआत में मिली हल्की रिकवरी ज्यादा देर नहीं टिक सकी और बिकवाली का दबाव दोबारा हावी हो गया। मेटल, फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर के शेयरों में आई तेज बिकवाली की वजह से मुख्य सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि, प्राइवेट बैंक, पीएसयू बैंक और रियल्टी शेयरों ने बाजार को संभालने की कोशिश की, जिससे निचले स्तरों पर थोड़ी राहत जरूर मिली।

कारोबारी सत्र के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) का सेंसेक्स 48.78 अंक यानी 0.07% की मामूली गिरावट के साथ 72,480.29 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का निफ्टी 95.75 अंक यानी 0.42% टूटकर 22,620.45 पर आ गया। बाजार का ओवरऑल ट्रेंड मिला-जुला रहा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर 2,051 शेयरों में तेजी और 2,135 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 187 शेयर बिना किसी बदलाव के स्थिर रहे। ब्रॉडर मार्केट की बात करें तो निफ्टी मिडकैप इंडेक्स लगभग सपाट (Flat) बंद हुआ, वहीं स्मॉलकैप इंडेक्स 0.2 प्रतिशत की हल्की बढ़त बनाने में कामयाब रहा।

निफ्टी फार्मा 1.43% की बड़ी गिरावट के साथ 26,549.55 पर बंद



हुआ, जबकि मेटल और फार्मा इंडेक्स में 1% से ज्यादा की टूट दर्ज की गई। दूसरी ओर, निफ्टी रियल्टी (+1.28%), निफ्टी पीएसयू बैंक (+0.87%) और निफ्टी बैंक (+0.82%) में 1 से 2 फीसदी तक की अच्छी तेजी देखी गई। निफ्टी आईटी भी 0.15% की हल्की बढ़त में रहा।

टॉप गेनर्स और लूजर्स स्टॉक्स

निफ्टी क्लोजिंग आंकड़ों के अनुसार प्रमुख शेयरों का हाल इस प्रकार रहा:

टॉप गेनर्स: कोटक महिंद्रा बैंक 2.71% की बढ़त लेकर टॉप गेनर रहा। इसके अलावा इंडिगो (+2.30%), आईसीआईसीआई बैंक (+2.28%), अल्ट्राटेक सीमेंट (+1.17%), एक्सिस बैंक (+1.15%), विप्रो और टेक महिंद्रा भी हरे निशान में बंद हुए।

टॉप लूजर्स: अपोलो हॉस्पिटल्स 5.70% की भारी गिरावट के साथ सबसे बड़ा लूजर बना। मैक्स हेल्थकेयर (-5.33%), एसबीआई लाइफ (-2.22%), इंफोसिस (-2.10%), सन फार्मा (-2.60%), सिप्ला (-2.41%) और ओएनजीसी (-1.83%) में भी तेज बिकवाली देखने को मिली।

सितंबर में महंगी हुई सीमेंट अक्टूबर में भी बढ़ेंगे दाम

मुंबई (एजेंसी)। घर बनाने या मकान की मरम्मत कराने वालों के लिए अक्टूबर में खर्च बढ़ सकता है। सीमेंट कंपनियां अगले महीने एक बार फिर कीमतों में बढ़ोतरी की कोशिश कर सकती हैं। ब्रोकरेज फर्म सेंट्रम ब्रोकिंग की रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर में कई बाजारों में सीमेंट के दाम ₹5 से ₹20 प्रति बोरी तक बढ़ सकते हैं। हालांकि, बढ़ी कीमतें कितने समय तक टिकेंगी, यह मांग और डीलरों की सहमति पर निर्भर करेगा।

रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर में देशभर में सीमेंट की औसत ट्रेड कीमत में महीने-दर-महीने ₹7 प्रति बोरी की बढ़ोतरी हुई और यह करीब ₹356 प्रति बोरी पहुंच गई। जुलाई और अगस्त में कीमतों में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ था। सितंबर में ट्रेड और नॉन-ट्रेड, दोनों सेगमेंट में कीमतें बढ़ीं। नॉन-ट्रेड सेगमेंट में बढ़ोतरी अपेक्षाकृत ज्यादा रही। हालांकि, कंपनियों की ओर से बढ़ाई गई बिलिंग कीमत का पूरा असर ग्राहकों तक नहीं पहुंचा। कुछ बाजारों में डीलरों ने तिमाही के अंत में बिक्री का लक्ष्य पूरा करने के लिए पुरानी कीमतों पर ही सीमेंट बेचा।

क्षेत्रों की बात करें तो सितंबर में दक्षिण भारत में सीमेंट ₹11 प्रति बोरी महंगा हुआ। इसके बाद पश्चिम भारत में ₹9 की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

ऑटो कंपनियों के लिए सरकार ने बदले CAFE नॉर्म्स, 5 साल में 16.7% बेहतर करनी होगी कारों की फ्यूल एफिशिएंसी



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में कारों की फ्यूल एफिशिएंसी बढ़ाने और ऑटो सेक्टर को ज्यादा साफ-सुथरी तकनीकों की ओर ले जाने के लिए सरकार ने कॉर्पोरेट एवरेज फ्यूल इकोनॉमी (CAFE) नॉर्म्स में बड़ा बदलाव किया है। नए नियम 1 अप्रैल 2027 से लागू होंगे और 31 मार्च 2032 तक प्रभावी रहेंगे। इनका सीधा असर देश में बिकने वाली नई पैसेंजर कारों पर पड़ेगा। नए नियमों के तहत कंपनियों को अगले पांच वर्षों में औसत फ्यूल एफिशिएंसी में करीब 16.7% सुधार करना होगा।

नए CAFE नॉर्म्स के तहत कार कंपनियों के लिए फ्यूल खपत का बेंचमार्क हर साल और सख्त किया जाएगा। वित्त वर्ष 2027-28 में यह लक्ष्य 3.996 लीटर प्रति 100 किलोमीटर रखा गया है। वहीं 2031-32 तक इसे घटाकर 3.3273 लीटर प्रति 100 किलोमीटर किया जाएगा। यानी पांच साल की अवधि में फ्यूल एफिशिएंसी में करीब 16.7% सुधार का लक्ष्य है। सरकार ने नॉर्म्स में इस्तेमाल होने वाले रेफरेंस व्हीकल वेट को भी 1,082 किलो से बढ़ाकर 1,229 किलो कर दिया है। इससे हल्की कारों के लिए लक्ष्य आसान रहेगा, जबकि ज्यादा वजन वाली कारों को बेहतर फ्यूल एफिशिएंसी हासिल करनी होगी।

नए नियमों में कंपनियों को लक्ष्य हासिल करने के लिए अलग-अलग तकनीकों का इस्तेमाल करने की आजादी दी गई है। बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल (BEV), रेंज-एक्सटेंडेड EV, प्लग-इन हाइब्रिड, स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड और फ्लेक्स-फ्यूल व्हीकल को सुपर क्रेडिट यानी वॉल्यूम डेरोगेशन फैक्टर का लाभ मिलेगा। इसका मतलब है कि कंपनियां इन कम-ईंधन या वैकल्पिक ईंधन वाली गाड़ियों की बिक्री के जरिए अपने पूरे बेड़े की औसत फ्यूल एफिशिएंसी से जुड़े लक्ष्य को पूरा करने में मदद ले सकेंगी। CAFE फ्रेमवर्क में एथेनॉल-ब्लेंडेड पेट्रोल, बायोफ्यूल और कंप्रेस्ड बायोगैस (CBG) जैसे कम-कार्बन और रिन्यूएबल ईंधनों को भी महत्व दिया गया है। इसके लिए कार्बन न्यूट्रैलिटी फैक्टर शामिल किया गया है। सरकार ने फ्यूल बचाने वाली मान्य तकनीकों की संख्या भी 4 से बढ़ाकर 12 कर दी है।

गेहूं की MSP पर आया सरकार का बड़ा फैसला अश्विनी वैष्णव ने किया नए रेट का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के करोड़ों किसानों के लिए केंद्र सरकार की ओर से एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है।

केंद्र सरकार ने गेहूं की न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में ₹25 प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। इसके बाद 2027-28 के रबी मार्केटिंग सीजन के लिए गेहूं का MSP बढ़कर ₹2,610 प्रति क्विंटल हो गया है। इससे पहले 2026-27 में गेहूं का MSP ₹2,585 प्रति क्विंटल था। सरकार के मुताबिक, इस फैसले का उद्देश्य किसानों को उनकी फसल का बेहतर दाम देना और उत्पादन लागत पर पर्याप्त मार्जिन सुनिश्चित करना है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि गेहूं की उत्पादन लागत करीब ₹1,264 प्रति क्विंटल है। इसके मुकाबले सरकार ने 2027-28 के लिए MSP ₹2,610 प्रति क्विंटल तय किया है। यानी गेहूं का MSP उत्पादन लागत के दोगुने से भी ज्यादा है। गेहूं देश की प्रमुख रबी फसल है। इसकी बुवाई आमतौर पर अक्टूबर से शुरू होती है, जबकि अप्रैल से इसकी कटाई शुरू होती है। ऐसे में नई MSP की घोषणा किसानों



के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

बाकी रबी फसलों के MSP में भी बढ़ोतरी

सरकार ने सिर्फ गेहूं ही नहीं, बल्कि अन्य पांच रबी फसलों के MSP में भी बढ़ोतरी की है। जौ का MSP ₹2,150 से बढ़ाकर ₹2,286 प्रति क्विंटल कर दिया गया है। दालों में चने का MSP ₹5,875 से बढ़कर ₹5,958 और मसूर का MSP ₹7,000 से बढ़कर ₹7,390 प्रति क्विंटल किया गया है। वहीं तिलहन फसलों में सरसों का MSP ₹6,200 से बढ़ाकर ₹6,613 और कुसुम का MSP ₹6,540 से बढ़ाकर ₹7,215 प्रति क्विंटल किया गया है।

किसानों को मिलेगा ₹90,962 करोड़ का भुगतान

सरकार के अनुमान के मुताबिक, 2027-28 के मार्केटिंग सीजन में करीब 324 लाख टन रबी फसलों की खरीद के लिए किसानों को कुल ₹90,962 करोड़ का भुगतान किया जाएगा। MSP तय करने में कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (CACP) की सिफारिशों को आधार बनाया गया है। इसमें उत्पादन लागत के साथ घरेलू और वैश्विक कीमतों के रुझान तथा मौसम से जुड़े जोखिमों को भी ध्यान में रखा गया है।

गेहूं उत्पादन का लक्ष्य भी बढ़ा

कृषि मंत्रालय ने 2026-27 फसल वर्ष के लिए गेहूं उत्पादन का लक्ष्य 12.1 करोड़ टन रखा है। गेहूं की MSP में बढ़ोतरी से किसानों को बेहतर मूल्य मिलने की उम्मीद है। वहीं सरकार का फोकस उत्पादन बढ़ाने के साथ किसानों को लागत के मुकाबले उचित रिटर्न उपलब्ध कराने पर भी है।

कैबिनेट में लिए गए 3 बड़े और दूरगामी फैसले

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई इस कैबिनेट बैठक में किसानों की सौगात के अलावा दो अन्य बड़े फैसलों पर भी मुहर लगाई गई है, जिनका देश पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा:

रबी फसलों का नया MSP: गेहूं और मसूर जैसी प्रमुख फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी कर किसानों को वित्तीय सुरक्षा दी गई है।

पीएम धारा (PM Dhara) योजना: देश में रिन्यूएबल एनर्जी को ग्रिड से जोड़ने और सुगम ट्रांसमिशन के लिए पीएम धारा नाम से एक महत्वपूर्ण और दीर्घकालिक स्मार्ट ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यक्रम को मंजूरी दी गई है।

दिल्ली के लिए ITMS: राजधानी दिल्ली में ट्रैफिक व्यवस्था को आधुनिक और सुचारू बनाने के लिए इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (ITMS) लागू करने का फैसला लिया गया है।

तीन दिवसीय विभाग स्तरीय विज्ञान-गणित मेले का हुआ समापन, 383 भैया-बहनों ने लिया हिस्सा



विज्ञान मॉडल, प्रयोग, पत्रवाचन और प्रश्नमंच में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा, तीन जिलों से पहुंचे प्रतिभागी



गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ की योजना के अनुसार प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला राजिम विभाग का विभाग स्तरीय विज्ञान मेला एवं गणित मेला इस वर्ष 27 सितम्बर 2026 से 29 सितम्बर 2026 तक आयोजित किया गया। तीन दिवसीय आयोजन में गरियाबंद, धमतरी और महासमुंद जिले से कुल 383 भैया-बहन एवं संरक्षण आचार्य/दीदी शामिल हुए।

विज्ञान एवं गणित मेले के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर आधारित प्रदर्श (मॉडल), पत्रवाचन, प्रश्नमंच, प्रयोग सहित अनेक प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। भैया-बहनों ने अलग-अलग वैज्ञानिक एवं गणितीय विषयों पर आधारित मॉडल तैयार कर अपनी रचनात्मकता, प्रयोगात्मक सोच और विषय की समझ का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय श्री बलदेव सिंह हुंदल जी (सामाजिक कार्यकर्ता) उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि श्री सत्यप्रकाश मानिकपुरी जी (व्यवस्थापक) रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय लोकनाथ साहू जी ने की।

मेले को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए 12 आचार्य/दीदी निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे। निर्णायकों द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया। तीन जिलों से पहुंचे विद्यार्थियों और आचार्यों की सहभागिता से पूरा आयोजन ज्ञान, प्रयोग और प्रतिस्पर्धा के उत्साह से सराबोर रहा।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि आज के बच्चे ही भविष्य के वैज्ञानिक हैं। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और प्रयोगधर्मिता को बढ़ावा देने वाले ऐसे आयोजन भविष्य में देश को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि यही प्रतिभाएं आगे चलकर भारत को विश्व गुरु बनाने में योगदान देंगी।

तीन दिवसीय विज्ञान एवं गणित मेले के समापन अवसर पर माननीय व्यवस्थापक श्री सत्यप्रकाश मानिकपुरी जी द्वारा आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी लोगों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त आचार्य दीदी का सराहनीय योगदान रहा।

रजिस्ट्री के साथ ही हुआ नामांतरण, दफ्तरों के चक्कर से मिली मुक्ति

कोरबा। कोरबा....जमीन या संपत्ति की खरीदी के बाद उसका नामांतरण आम नागरिकों के लिए लंबे समय से एक चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया रही है। नामांतरण के लिए पटवारी कार्यालय के चक्कर, कागजी प्रक्रिया और इंतजार के कारण लोगों को समय और श्रम दोनों खर्च करने पड़ते थे। लेकिन डिजिटल व्यवस्था की दिशा में उठाए गए कदमों से अब इस प्रक्रिया में बड़ा बदलाव आया है। छत्तीसगढ़ में शुरू की गई 'सेवा संकल्प स्वतः नामांतरण योजना' के तहत जमीन की रजिस्ट्री के साथ ही नामांतरण की प्रक्रिया स्वतः प्रारंभ हो जाती है। इसके साथ ही नागरिकों को डिजिटल बी-वन एवं ई-बी-वन जैसे दस्तावेज आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं।

गीता वैली निवासी श्री मोहित बत्रा ने जब प्लॉट खरीदा, तो उनके मन में भी यही चिंता थी कि नामांतरण के लिए कहीं लंबे समय तक कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। लेकिन स्वतः नामांतरण योजना ने उनकी यह चिंता दूर कर दी।

श्री बत्रा बताते हैं कि उनका नामांतरण बेहद आसानी से हो गया और उन्हें डिजिटल बी-वन सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज भी बिना परेशानी के प्राप्त हो गए। उनके अनुसार, इस नई व्यवस्था ने नामांतरण की प्रक्रिया को पहले की अपेक्षा काफी सरल और सुविधाजनक बना दिया है। सेवा संकल्प स्वतः नामांतरण योजना के माध्यम से राजस्व सेवाओं को अधिक सरल, पारदर्शी और डिजिटल बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। रजिस्ट्री के साथ ही नामांतरण की प्रक्रिया प्रारंभ होने से नागरिकों को अनावश्यक कार्यालयीन प्रक्रियाओं से राहत मिलती है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत इन्दागांव में गूंजा जनकल्याणकारी योजनाओं का संदेश





गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत ग्राम इन्दागांव में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान छत्तीसगढ़ शासन के महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी ग्रामीणजनों तक पहुंचाने के लिए चलित प्रचार वाहन के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाया गया।

चलित प्रचार वाहन के माध्यम से ग्रामीणों को महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं, उनके उद्देश्यों एवं पात्र हितग्राहियों को मिलने वाले लाभों की जानकारी दी गई।

इस दौरान उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं ने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाना, पात्र हितग्राहियों को उनके अधिकारों एवं उपलब्ध सुविधाओं के प्रति जागरूक करना तथा योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करना रहा। ग्रामीणजनों ने भी प्रचार वाहन के माध्यम से दी जा रही जानकारी में रुचि दिखाई और अभियान में सहभागिता की।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, सुरेन्द्र सोनटेके मंत्री भाजपा, संतोष यादव मंडल अध्यक्ष मैनपुर, थानसिंह निषाद जिला महामंत्री पिछड़ा वर्ग मोर्चा, प्रहलाद सिंह ठाकुर मंडल महामंत्री, निखिल साहू, हेमंत ध्रुव, रूपसिंह बस्तरिया सहित भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सेवा, जनजागरूकता और जनकल्याण के संकल्प के साथ आयोजित यह अभियान शासन की योजनाओं को समाज के अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुंचाने और पात्र हितग्राहियों को उनके अधिकारों एवं सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

ग्राम नरबदा में 45वें वर्ष भी सजेगा मानस गान का भव्य मंच गांधी जयंती पर भक्ति और संस्कृति का अद्भुत संगम

बालोद/गुरूर (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले स्थित गुरूर ब्लॉक के ग्राम नरबदा में साढ़े चार दशकों से चली आ रही मानस गान की गौरवशाली परंपरा इस वर्ष भी पूरी भव्यता के साथ जीवंत होने जा रही है। प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी 2, 3 और 4 अक्टूबर 2026 को तीन दिवसीय राज्य/क्षेत्र स्तरीय मानस गान प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। गांधी जयंती के पावन पर्व से शुरू हो रहे इस आयोजन ने गांव को धार्मिक, अध्यात्मिक और सांस्कृतिक पटल पर एक विशिष्ट पहचान दिलाई है।

अध्यात्म और लोक-संस्कृति की अनूठी मिसाल

ग्राम नरबदा में आयोजित होने वाला



यह कार्यक्रम केवल एक प्रतियोगिता मात्र नहीं है, बल्कि यह पीढ़ियों से संजोकर रखी गई सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक है। विगत 45 वर्षों से अविरल जारी इस परंपरा में हर साल दूर-दराज से आने वाली रामायण मंडलियाँ और मानस प्रेमी अपनी सहभागिता दर्ज कराते हैं। आधुनिकता के इस दौर में भी अपनी जड़ों और लोक-संस्कृति से जुड़ाव बनाए रखना इस आयोजन की सबसे बड़ी खासियत रही है। तीन दिनों तक समूचा ग्रामीण अंचल भक्ति, ज्ञान और सुमधुर मानस ध्वनियों से सराबोर रहेगा।

3 अक्टूबर को दीप प्रज्वलन के साथ मुख्य शुभारंभ

आयोजन समिति से मिली जानकारी के अनुसार, प्रतियोगिता का मुख्य एवं औपचारिक शुभारंभ 3 अक्टूबर 2026 (शनिवार) को प्रातः 10:00 बजे वैदिक मंत्रोच्चार एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया जाएगा। कार्यक्रम में भाग लेने वाली मंडलियाँ श्रीराम चरित मानस के विभिन्न प्रसंगों पर अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों, संगीतमय चौपाइयों और ज्ञानवर्धक व्याख्याओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगी।

ग्रामीणों और मानस प्रेमियों में भारी उत्साह

इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने के लिए ग्रामवासी और आयोजन समिति के सदस्य तैयारियों में पूरी निष्ठा से जुटे हुए हैं। गांधी जयंती के शुभ अवसर पर ग्राम नरबदा का मंच एक बार फिर भक्ति रस की पावन धारा बहाने और सनातन संस्कृति का ध्वज फहराने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सेवा संकल्प अभियान : रंगोली प्रतियोगिता और स्वास्थ्य शिविर आयोजित

कोरबा। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत स्वर्गीय बिसाहू दास महंत स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबद्ध अस्पताल, कोरबा में रंगोली प्रतियोगिता एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य योजनाओं पर केंद्रित रंगोलियां बनाकर जागरूकता का संदेश दिया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। स्वास्थ्य शिविर में मरीजों को कैंसर से बचाव के संबंध में जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि कैंसर की पहचान होने पर चिकित्सकीय परामर्श और उपचार लेना आवश्यक है। साथ ही कैंसर के उपचार से जुड़ी जानकारी भी साझा की गई। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, कोरबा के डीन ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों और आम नागरिकों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय रायपुर, छत्तीसगढ़
दूरभाष : 0771-2537404, टेलीफैक्स 0771-2234731
ई-मेलः deptt_culture@yahoo.co.in वेब साइटः www.cgculture.in

क्रमांक 875/ अनु./पु.अ.सं./2026 रायपुर, दिनांक 23/09/2026

मैनुअल पद्धति निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती हैः-

क्र.	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानिक राशि	बयाने की राशि
1.	राज्य सरक्षित स्मारक जगन्नाथ मंदिर खल्लारी जिला–महासमुद में तालाब में दर्शको के सुविधा हेतु पाथवे/फर्शीकरण, बैठक व्यवस्था,साईनेज बोर्ड एव अन्य आवश्यक रिपेयरिंग का कार्य।	9,99,700.00	20,000.00
2.	राज्य सरक्षित स्मारक जगन्नाथ मंदिर खल्लारी जिला–महासमुद में बाउण्ड्रीवाल–ग्रील, साईनेज बोर्ड ,बैठक व्यवस्था, रंग–रोगन एवं अन्य आवश्यक रिपेयरिंग का कार्य।	9,26,900.00	12,500.00
3	राज्य संरक्षित स्मारक फणिकेश्वरनाथ महादेव मंदिर फिंगेश्वर जिला–गरियाबद बाउण्ड्रीवाल,स्मारक का पोईंटींग,स्मारक में छत का मरम्मत, दर्शको के बैठने हेतु सिटींग चेयर,एव अन्य आवश्यक मरम्मत का कार्य।	8,91,400.00	18,000.00

ठेकेदार की श्रेणी-उपयुक्त श्रेणी, कार्यवधि - कार्यादेश दिनांक से 03 माह. निविदा प्रपत्र की राशि 750.00 रूपये।
01. कोरी निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि 05.10.2026 शाम 5:00 बजे तक।
02. बंद निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 12.10.2026. शाम 5:00 बजे तक।
03. निविदा खोलने की तिथि एवं समय दिनांक 15.10.2026 दोपहर 12.00 बजे।
(निर्धारित तिथि को अवकाश घोषित होने पर आगामी कार्य दिवस में निविदा प्रस्तुत एवं खोली जावेगी)
अमानत राशि एफ.डी.आर. / बैंक ड्राफ्ट 3 वर्ष का जो कि सचालक, पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय, महत घासीदास स्मारक सग्रहालय परिसर सिविल लाईन रायपुर छ.ग. के नाम से बनवाना होगा।
निविदा के सामान्य शर्तें विस्तृत निविदा विज्ञप्ति एवं निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में उपस्थित होकर या विभागीय वेबसाईट www.cgculture.in पर निविदा जारी दिनांक से देखी जा सकती है।

संचालक
पुरातत्व अभि.एवं संग्रहालय
रायपुर (छ.ग.)

जी- 262703598/2

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता
राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग क्र.1, लोक निर्माण विभाग
रायपुर (छ.ग.)

निविदा विज्ञप्ति क्र. 02/व.ले.लि रायपुर, दिनांक 25/09/2026

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना
(तृतीय आमंत्रण)

1	निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	05.10.2026 अपरान्ह 5:30 बजे तक
2	निविदाएं प्राप्त करने की अंतिम तिथि	12.10.2026 अपरान्ह 5:30 बजे तक
3	प्राप्त निविदाएं खोलने की तिथि	13.10.2026 पूर्वान्ह 11:30 बजे तक
4	अर्ह ठेकेदारों की श्रेणी	ई–पंजीयन अंतर्गत "द" श्रेणी से "अ" श्रेणी तक

एन.आई.टी. क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू. में) बैंक साल्वेंसी (रू. में) निविदा प्रपत्र की कीमत (रू. में) कार्य पूर्ण करने हेतु समयावधि
1	2	3
1.	Special repair for construction of boundary wall, Ladies Toilet and repair of old toilets NH Campus, Pensionbada, Raipur.	4.93 लाख 5000.00 25000.00 750.00 02 माह

नोट :– निविदा संबंधी शर्तें एवं अन्य विवरण विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwd/raipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इसका अवलोकन संबंधित संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
राष्ट्रीय राजमार्ग संभाग क्र. 1,
लो.नि.वि., रायपुर

जी- 262703567/1

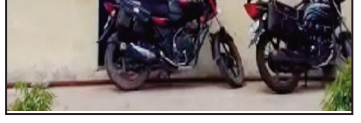
क्रिप्टो करेंसी में रकम दोगुनी करने का झांसा देकर 5 लाख लेने का आरोप

खुड़िया चौकी में मामला दर्ज, छह माह में राशि दोगुनी करने का दिया था भरोसा; शिकायतकर्ता ने बैंक स्टेटमेंट और यूपीआई भुगतान के साक्ष्य सौंपे

लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर छह माह में रकम दोगुनी करने का झांसा देकर 5 लाख रुपए लेने और निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद राशि वापस नहीं करने का मामला सामने आया है। ग्राम लगरा निवासी आजूराम पटेल की शिकायत पर खुड़िया चौकी पुलिस ने ग्राम दरवाजा (टोपियाडीह) निवासी बेदराम पटेल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) एवं 316(5) के तहत अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बैंक स्टेटमेंट, यूपीआई भुगतान के स्क्रीनशॉट सहित अन्य दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं। मामले में लगाए गए आरोपों की वास्तविकता पुलिस जांच के बाद स्पष्ट होगी।

स्वयं को बताया था क्रिप्टो करेंसी का एजेंट

पुलिस को दिए लिखित आवेदन में ग्राम लगरा, थाना फास्टरपुर निवासी आजूराम पटेल ने बताया कि वह कम पढ़े-लिखे हैं और कृषि मजदूरी का कार्य करते हैं। शिकायत के अनुसार ग्राम दरवाजा निवासी बेदराम पटेल उनके घर आया करता था। इसी दौरान उसने स्वयं को 'मिस्टर मिंट' क्रिप्टो करेंसी का एजेंट बताते हुए कहा कि वह मुंगेली जिले का टीम लीडर है।



शिकायतकर्ता के अनुसार बेदराम पटेल ने उसे अधिक से अधिक रकम निवेश करने के लिए कहा और भरोसा दिलाया कि निवेश की गई राशि छह माह के भीतर दोगुनी हो जाएगी। लगातार संपर्क और पूर्व परिचय के कारण आजूराम पटेल ने उसकी बातों पर विश्वास किया।

25 नवंबर को नगद दिए 2.77 लाख

आजूराम पटेल के आवेदन के मुताबिक 25 नवंबर 2024 को वह बेदराम पटेल के घर गया था। उसके साथ ग्राम लगरा निवासी सुनील पटेल तथा ग्राम उरईकछार निवासी फागूराम पटेल भी मौजूद थे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उसने उनके सामने बेदराम पटेल को 2 लाख 77 हजार रुपए नगद दिए।

इसके बाद ऑनलाइन माध्यम से भी राशि भेजे जाने की बात शिकायत में कही गई है। शिकायतकर्ता के अनुसार 25 नवंबर 2024 को सुबह 9 बजकर 24 मिनट पर फोन-पे के माध्यम से 50 हजार रुपए, 26 नवंबर को सुबह 10 बजकर 16 मिनट पर 50 हजार रुपए तथा 29 नवंबर को रात 8 बजकर 38 मिनट पर 23 हजार रुपए ट्रांसफर किए गए। इस तरह फोन-पे के माध्यम से कुल 1 लाख 23 हजार रुपए भेजे जाने का दावा किया गया है।

गूगल-पे से भी एक लाख रुपए ट्रांसफर

शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 29 नवंबर 2024 को रात करीब 8 बजकर 47 मिनट पर गूगल-पे के माध्यम से भी बेदराम पटेल के बताए खाते में एक लाख रुपए ट्रांसफर किए गए। शिकायत के अनुसार नगद और ऑनलाइन भुगतान को मिलाकर कुल 5 लाख रुपए बेदराम पटेल को दिए गए। शिकायतकर्ता ने इन लेनदेन से संबंधित बैंक खातों के दस्तावेज, बैंक स्टेटमेंट तथा यूपीआई भुगतान के स्क्रीनशॉट पुलिस को उपलब्ध कराए हैं। पुलिस द्वारा अब इन दस्तावेजों और संबंधित बैंकिंग लेनदेन का परीक्षण किया जाएगा।

मोबाइल में ऐप डाउनलोड कराकर समझाया तरीका

शिकायत के अनुसार 5 लाख रुपए लेने के बाद बेदराम पटेल ने आजूराम पटेल के एंड्रॉयड मोबाइल फोन को अपने हाथ में लेकर उसमें 'मिस्टर मिंट/स्टेप मिंट' नाम का ऐप डाउनलोड किया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि आरोपी ने ऐप के संचालन का तरीका समझाते हुए प्रतिदिन मोबाइल में ऐप खोलकर करीब एक घंटे तक उसे हिलाने और 10 हजार अंक प्राप्त होने के बाद ऐप बंद करने की बात कही।

आजूराम पटेल के अनुसार उन्होंने आरोपी के बताए तरीके से प्रतिदिन ऐप चलाना शुरू कर दिया। शिकायत में कहा गया है कि वह करीब छह माह तक इसी प्रक्रिया का पालन करते रहे और उन्हें विश्वास था कि निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद उनकी निवेश की गई राशि दोगुनी हो जाएगी।

पिता को भी निवेश के लिए प्रेरित करने का आरोप

शिकायत में आजूराम पटेल ने आरोप लगाया कि बेदराम पटेल ने उसके पिता कुंवारू पटेल को भी इस योजना में निवेश करने के लिए प्रेरित किया। शुरुआत में उनके पिता ने निवेश करने से इनकार किया, लेकिन आरोपी द्वारा बार-बार घर आकर छह माह में रकम दोगुनी होने का भरोसा दिए जाने के बाद वह भी उसके झांसे में आ गए। शिकायतकर्ता के अनुसार 16 दिसंबर 2024 को उसके पिता कुंवारू पटेल बेदराम पटेल के घर गए और वहां 2 लाख 50 हजार रुपए नगद दिए। इस दौरान ग्राम लगरा निवासी सुनील पटेल के मौजूद रहने की बात भी शिकायत में कही गई है। इसके बाद उनके पिता के मोबाइल फोन में भी संबंधित ऐप डाउनलोड किए जाने और उसे संचालित करने की जानकारी दिए जाने का आरोप लगाया गया है। शिकायत के अनुसार उन्हें भी प्रतिदिन करीब एक घंटे ऐप चलाने तथा 10 हजार अंक प्राप्त होने तक मोबाइल हिलाने की बात बताई गई थी।

ऑनलाइन मीटिंग और सेमिनार कराने का भी आरोप

शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि संबंधित योजना से जुड़े लोगों की ऑनलाइन बैठकें भी आयोजित की जाती थीं। इन बैठकों में कथित तौर पर कॉइन के रेट, उसके उतार-चढ़ाव तथा निवेश से संबंधित जानकारी दी जाती थी।

राजनीतिक प्रकरण वापसी समिति की बैठक में 16 प्रकरणों की वापसी पर हुई चर्चा

रायपुर ■ दैनन्दिनी

उप मुख्यमंत्री एवं गृह तथा जेल मंत्री श्री विजय शर्मा की अध्यक्षता में राजनीतिक आंदोलनों से जुड़े प्रकरणों की वापसी के संबंध में आज मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर में प्रकरण वापसी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, कृषि मंत्री श्री राम विचार नेताम सहित प्रमुख सचिव गृह सुश्री निहारिका बारीक, प्रमुख सचिव विधि श्री मनीष ठाकुर, गृह सचिव श्रीमती नेहा चंपावत, डीजीपी श्री अरूण देव गौतम सहित अन्य अधिकारी



उपस्थित रहे। बैठक में प्रदेश के विभिन्न जिलों में दर्ज राजनीतिक आंदोलनों से जुड़े 16 प्रकरणों की वापसी से संबंधित मामलों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। जिसमें 8 लंबित प्रकरण शामिल थे, सभी मामलों में से 9 प्रकरणों की अनुशंसा की गई, 02 प्रकरणों को पुनर्विचार के लिए जिलों में भेज दिया गया। इसके अतिरिक्त शेष मामलों को राजनीतिक आंदोलनों से जुड़ा हुआ ना पाते हुए उनको समिति ने विचार कर उन्हें समिति ने अस्वीकृत कर दिया। समिति ने अधिकारियों से पूर्व में अनुसंशित लंबित प्रकरणों, उनकी वर्तमान स्थिति तथा नियमानुसार आगे की जाने वाली कार्रवाई के संबंध में जानकारी ली गई एवं इसकी नियमित समीक्षा करते हुए न्यायालय में लंबित प्रकरणों को भी त्वरित गति से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने राजनीतिक प्रकरणों की वापसी से जुड़े मामलों की प्रकरणवार समीक्षा करते हुए आवश्यक प्रक्रियाओं को नियमानुसार आगे बढ़ाने के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की।

छत्तीसगढ़ कैपिटल रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी के नवा रायपुर में प्रस्तावित औद्योगिक पार्क को लेकर हुई चर्चा

रायपुर ■ दैनन्दिनी



भारत औद्योगिक विकास योजना के तहत छत्तीसगढ़ में इंटीग्रेटेड मल्टी-सेक्टर इंडस्ट्रियल पार्क विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में स्टेट लेवल कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में छत्तीसगढ़ कैपिटल रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (CRDA) द्वारा प्रस्तावित इंटीग्रेटेड मल्टी-सेक्टर इंडस्ट्रियल पार्क के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। बैठक में प्रस्तावित परियोजना के डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट, मास्टर प्लान, भूमि उपलब्धता, आवश्यक अधोसंरचना, परियोजना लागत, वित्तीय व्यवस्था तथा BHAVYA की संचालन गाइडलाइन के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई। समिति द्वारा प्रस्ताव को भारत सरकार के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के माध्यम से प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया। CRDA द्वारा प्रस्तावित इंटीग्रेटेड मल्टी-सेक्टर इंडस्ट्रियल पार्क नवा रायपुर अटल नगर, जिला रायपुर में विकसित किया जाना प्रस्तावित है। लगभग 406.72 एकड़ क्षेत्र में प्रस्तावित इस औद्योगिक पार्क में विभिन्न औद्योगिक गतिविधियों के लिए आवश्यक अधोसंरचना एवं सुविधाओं का विकास किया जाएगा। स्टेट लेवल कमेटी की बैठक में प्रस्ताव पर चर्चा के बाद इसे भारत सरकार को भेजे जाने के लिए अनुमोदित किया गया है। अब CRDA द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रस्ताव को DPIIT, भारत सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। भारत सरकार से स्वीकृति प्राप्त होने के बाद परियोजना के आगामी चरणों पर कार्यवाही की जाएगी।

रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली ने स्कूटी को मारी टक्कर, बुजुर्ग की मौके पर ही मौत

अभनपुर/ रायपुर ■ दैनन्दिनी

गोबरा नवापारा नगर के मैडम चौक के पास बुधवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया. रेत से भरे ट्रैक्टर ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी. हादसा इतना गंभीर था कि स्कूटी सवार की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान 60 साल के अख्तर अली के रूप में हुई. पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है, जबकि चालक की पतासाजी जारी है. जानकारी के अनुसार, अख्तर अली राजिम के मस्तान शाह दरगाह के पास रहते थे. बुधवार सुबह करीब 11 बजे वह स्कूटी क्रमांक CG 04 DZ 4083 से कहीं जा रहे थे. इसी दौरान गोबरा नवापारा के मैडम चौक के पास ट्रैक्टर ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी. स्कूटी सवार अख्तर अली की मौके पर ही मौत हो गई. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम



मौके पर पहुंची. शव को पंचनामा कर गोबरा नवापारा सीएचसी में पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. बाद में परिजनों को शव सौंप दिया गया. वहीं पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है.

हादसे के बाद रेत परिवहन को लेकर भी सवाल-स्थानीय लोगों का कहना है कि राजिम क्षेत्र के समीप पिटईबंद में रेत के उत्खनन और उसके परिवहन का कारोबार लंबे समय से चर्चा में है. उन्होंने आरोप लगाया कि राजिम क्षेत्र से रेत ट्रैक्टरों के माध्यम से गोबरा नवापारा की ओर लाई जाती है. दमानी पेट्रोल पंप के बाजू में रेत का स्टॉक किया जाता है, जहां से जेसीबी की सहायता से हाईवा वाहनों में रेत लोड कर बिक्री होती है. लोगों का कहना है कि इसी कारण काफी संख्या में ट्रैक्टरों की आवाजाही शुरू हुई है. अब क्षेत्र में रेत परिवहन करने वाले वाहनों की जांच को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं. स्थानीय लोगों ने मांग की है कि प्रशासन पूरे रेत परिवहन नेटवर्क की जांच करें, सड़क पर तेज रफ्तार और नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर कार्रवाई सुनिश्चित करें.

रायपुर स्टेशन के आरक्षण केंद्र के पास स्थित दोपहिया पार्किंग एक्सप्रेसवे के पास स्थानांतरित

रायपुर ■ दैनन्दिनी

रायपुर रेलवे स्टेशन के शहर साइड में चल रहे स्टेशन पुनर्विकास एवं निर्माण कार्यों के मद्देनजर यात्रियों की सुविधा और सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए आरक्षण केंद्र के पास स्थित दोपहिया वाहन पार्किंग स्थल को एक्सप्रेसवे के पास स्थानांतरित किया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए रायपुर स्टेशन के शहर साइड में एक्सप्रेसवे के पास दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। आरक्षण केंद्र के समीप वर्तमान दोपहिया पार्किंग स्थल को निर्माण कार्यों के लिए स्थानांतरित किया गया है। रेलवे द्वारा यात्रियों से अनुरोध किया गया है कि अपने दोपहिया वाहन एक्सप्रेसवे के पास निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़े करें। यात्री स्टेशन परिसर अथवा अन्य अनधिकृत स्थानों पर अपने वाहन पार्क करने से बचें, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे और यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। यात्रियों की सुविधा के लिए गुढ़ियारी साइड पर भी पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे अपने वाहनों को निर्धारित पार्किंग स्थल में ही खड़ा करें तथा पार्किंग शुल्क की निर्धारित दरों के अनुसार ही भुगतान करें। स्टेशन पुनर्विकास कार्यों के दौरान यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षित आवागमन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। यात्रियों से अपील है कि वे निर्धारित पार्किंग स्थल का ही उपयोग करें तथा रेलवे द्वारा लगाए गए संकेतकों एवं दिशा-निर्देशों का पालन करें। रेलवे प्रशासन यात्रियों से सहयोग की अपेक्षा करता है। रायपुर स्टेशन के विकास एवं पुनर्विकास कार्यों को सुचारु रूप से पूरा करने में यात्रियों का सहयोग महत्वपूर्ण है।

नारकोटिक्स के वित्तीय नेटवर्क पर प्रहार के लिए प्रभावी जांच जरूरी - एडीजी अमित कुमार



रायपुर ■ दैनन्दिनी

नारकोटिक्स के मामलों में केवल आरोपियों तक पहुंचने के बजाय नशे के अवैध कारोबार से जुड़े पूरे वित्तीय नेटवर्क को ध्वस्त करने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय, नवा रायपुर में नारकोटिक्स प्रकरणों की फाइनेंशियल इन्वेस्टिगेशन पर एक दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रदेशभर से उप पुलिस अधीक्षक से सहायक उप निरीक्षक स्तर तक के 70 पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री अमित कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, नारकोटिक्स श्री अमित कुमार ने कहा कि नारकोटिक्स के मामलों में अपराधियों को सजा दिलाने के साथ ही उनके द्वारा अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों की पहचान और जब्ती कर वित्तीय नेटवर्क को तोड़ना आवश्यक है। इसके लिए प्रभावी और व्यापक विवेचना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नारकोटिक्स पदार्थ कहां से आ रहा है, कौन इसकी आपूर्ति कर रहा है और इसे किस तक पहुंचाया जा रहा है, इन सभी पहलुओं पर फॉरवर्ड एवं बैकवर्ड लिंक स्थापित करते हुए वित्तीय जांच की जानी चाहिए। इससे नशे के कारोबार से जुड़े वित्तीय नेटवर्क की पहचान कर उसके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा सकती है। उप पुलिस महानिरीक्षक, नारकोटिक्स श्रीमती पारुल माथुर ने कहा कि एनडीपीएस प्रकरणों की विवेचना में विभिन्न संबंधित एजेंसियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। नशे के कारोबार से अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों की पहचान और उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई भी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने नारकोटिक्स की सप्लाई रिडक्शन, डिमांड रिडक्शन, हार्म रिडक्शन और रिहैबिलिटेशन के लिए समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यशाला के प्रथम सत्र में इनकम टैक्स इन्वेस्टिगेशन विंग, रायपुर के डिप्टी डायरेक्टर श्री प्रकाश चंद्र चौहान ने विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि वित्तीय जांच के माध्यम से यह पता लगाया जा सकता है कि नशे के अवैध कारोबार में अवैध धन कहां से आ रहा है और उसे कहां निवेश किया जा रहा है। द्वितीय सत्र में नेशनल एकेडमी ऑफ कस्टम्स, इनडायरेक्ट टैक्सेस एंड नारकोटिक्स, रायपुर के एडिशनल असिस्टेंट डायरेक्टर श्री सलमान इम्तियाज हुसैनी ने जीएसटी के विश्लेषण के माध्यम से अवैध धन और उससे जुड़े वित्तीय लेन-देन का पता लगाने के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। कार्यशाला में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती अनामिका जैन सहित पुलिस मुख्यालय के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

रायपुर में अब 2 नहीं 4 डस्टबिन में होगा कचरे का सेग्रीगेशन

रायपुर ■ दैनन्दिनी

भारत सरकार ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 को अधिसूचित कर दिया है। नए नियमों के लागू होने के बाद अब घरों और संस्थानों से निकलने वाले कचरे के पृथक्करण यानी सेग्रीगेशन की व्यवस्था में बड़ा बदलाव होगा। पहले गीले और सूखे कचरे के लिए दो डस्टबिन का इस्तेमाल किया जाता था, लेकिन अब चार अलग-अलग श्रेणियों में कचरे का सेग्रीगेशन किया जाएगा। रायपुर नगर निगम आयुक्त साबित मिश्रा ने नए नियमों की जानकारी देते हुए बताया कि नए प्रावधानों के तहत कचरे को शुष्क, आर्द्र, स्वच्छता अपशिष्ट और भारी धातु अपशिष्ट की श्रेणियों में अलग-अलग किया जाएगा। इसके लिए अब दो की जगह चार डस्टबिन की व्यवस्था की जाएगी।

बल्क वेस्ट जनरेटर की बढ़ेगी जिम्मेदारी-नए नियमों में बड़े पैमाने पर कचरा उत्पन्न करने वाले व्यवसायिक संस्थानों और अन्य प्रतिष्ठानों को बल्क वेस्ट कैटेगरी में रखा गया है। ऐसे संस्थानों के लिए कचरा प्रबंधन को लेकर अतिरिक्त जिम्मेदारियां तय की गई हैं। निगम आयुक्त के मुताबिक, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन किया जाएगा। इससे कचरे के संग्रहण से लेकर उसके निपटारे तक की प्रक्रिया की ऑनलाइन ट्रैकिंग और निगरानी संभव होगी और व्यवस्था



में पारदर्शिता आएगी।

नियम तोड़ने पर पर्यावरणीय भुगतान का प्रावधान-नए नियमों में 'प्रदूषण भुगतान सिद्धांत' के आधार पर उल्लंघन करने वालों पर पर्यावरणीय भुगतान का प्रावधान किया गया है। यानी कचरा प्रबंधन के निर्धारित नियमों का पालन नहीं करने पर संबंधित व्यक्ति या संस्था पर पर्यावरणीय भुगतान लगाया जा सकता है।

चार समूहों में बांटा जाएगा रायपुर-निगम आयुक्त ने बताया कि नए सिस्टम के तहत रायपुर शहर को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा। संबंधित क्षेत्रों में कचरा प्रबंधन की व्यवस्था और प्रदर्शन की निगरानी की जाएगी। प्रदर्शन के आधार पर भुगतान की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। इसके साथ ही केंद्रीय नियंत्रण केंद्र के माध्यम से पूरे कार्य की व्यापक निगरानी की जाएगी।

नए नियमों को लेकर चलेगा जागरूकता अभियान-नगर निगम नए प्रावधानों को लेकर शहरवासियों और व्यवसायिक संस्थानों के बीच जागरूकता अभियान चलाएगा। लोगों को चार श्रेणियों में कचरा अलग करने, डस्टबिन के सही इस्तेमाल और कचरा प्रबंधन के नए नियमों की जानकारी दी जाएगी।

रायपुर-बिलासपुर समेत 50 शहर योजना में शामिल-भारत सरकार ने 'प्रगति 50' नामक नई योजना शुरू की है। इसके तहत छत्तीसगढ़ के रायपुर और बिलासपुर समेत देश के 50 शहरों का चयन किया गया है।

गजेंद्र यादव की पहल पर भरदा में जलभराव की समस्या का त्वरित समाधान

रायपुर ■ दैनन्दिनी



दुर्ग जिले के ग्राम भरदा में विगत 26 सितंबर को अतिवृष्टि और जलभराव से उत्पन्न गंभीर स्थिति का जायजा लेने पहुंचे कैबिनेट मंत्री श्री गजेंद्र यादव की त्वरित पहल से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है। राहत शिविर में प्रभावित परिवारों से भेंट के दौरान ग्रामीणों और किसानों द्वारा की गई मांग पर संज्ञान लेते हुए, जिला प्रशासन ने 12.87 लाख रूपए की लागत से पक्की निकासी नाली निर्माण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। आवंटन कुल 12.87 लाख रूपए के इस निर्माण कार्य में 2.56 लाख रूपए मजदूरी मद के लिए और 10.31 लाख रूपए सामग्री मद के लिए आवंटित किए गए हैं। यह कार्य वीबी-जी रामजी (विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन की गारंटी) योजना के तहत कराया जाएगा। यह निकासी नाली पुरुषोत्तम निषाद के घर से केशव ठाकुर के घर तक बनाई जाएगी, जिससे बारिश के दौरान मार्ग पर होने वाले जलजमाव से स्थायी रूप से मुक्ति मिलेगी। जिला पंचायत दुर्ग के सीईओ ने जानकारी दी कि इस योजना के तहत विकास कार्यों को स्थानीय मूलभूत आवश्यकताओं से जोड़ा जा रहा है। इसके तहत मांग करने वाले पात्र ग्रामीणों को 15 दिवस के भीतर 300 रूपए प्रतिदिन की निर्धारित मजदूरी दर पर रोजगार भी उपलब्ध कराया जाएगा। नाली निर्माण की त्वरित स्वीकृति और फसल क्षति के तत्काल सर्वेक्षण के निर्देशों पर ग्रामवासियों ने स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेंद्र यादव, कलेक्टर और जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

पशुधन विकास विभाग में 17 पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ बने उप संचालक

रायपुर। पशुधन विकास विभाग ने 17 पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ (राजपत्रित, द्वितीय श्रेणी) को उप संचालक, पशु चिकित्सा सेवायें (राजपत्रित, प्रथम श्रेणी) के पद पर पदोन्नत किया है. इस संबंध में आदेश जारी किया गया है. पशुधन विकास विभाग ने यह पदोन्नति छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा 6 जुलाई को आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में गई अनुशंसा के अनुपालन में 17 पशु चिकित्सा सहायक यज्ञों (वेतन मैट्रिक्स लेवल-12) को कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से उप संचालक के पद पर वेतनमान 67300-213100 रुपए.

बस्तर में बारिश और बाढ़ से तबाही मुख्यमंत्री का दौरा केवल खानापूर्ति -दीपक बैज

रायपुर ■ दैनन्दिनी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बस्तर संभाग का अधिकांश हिस्सा बारिश और बाढ़ के कारण तबाह हो चुका है। बस्तर संभाग के 571 गांव बाढ़ से पूरी तरह बर्बाद हो चुका है। 22 हजार से अधिक लोग बाढ़ की चपेट में आये है। 8 लोगों की मौतें भी हुई है। लोगों के घर, घर के सामान राशन सामग्री, कॉपी-किताब, दस्तावेज सब बर्बाद हो गया है। इस बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में सरकार के द्वारा जिस मुस्तैदी से राहत और बचाव कार्य किया जाना चाहिए वह नहीं दिखा। मुख्यमंत्री कल एक दिन के बस्तर और सुकमा प्रवास पर गये लेकिन उनका दौरा भी केवल खानापूर्ति रहा। मुख्यमंत्री प्रभावित परिवारों को केवल 10 हजार की सहायता राशि घोषित करके आये, यह तो एसडीएम और तहसीलदार भी कर सकते थे। मुख्यमंत्री से बस्तरवासियों को उम्मीद थी की कुछ ठोस घोषणा करेंगे लेकिन उन्होंने निराश किया। हमारी मांग है सरकार बस्तर संभाग के बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता और क्षेत्र के पुल-पुलिया, सड़क इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण के लिए विशेष राहत पैकेज दें। पिछले वर्ष भी बारिश की तबाही से बस्तर के अनेकों पुल-पुलिया टूट गये थे, सड़कें बह गयी थी, वे अभी तक नहीं बनी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मुख्यमंत्री साय, हर साल बाढ़ में बस्तर सिर्फ फोटो खिंचवाने आते हैं फिर पीड़ितों को उनके हाल में छोड़कर भूल जाते हैं, पिछले साल के आपदा राहत के अधूरे काम कब पूरे करेंगे? 2025 की बाढ़ में सड़कें, पुल-पुलिया क्षतिग्रस्त हुए थे, तब जल्द मरम्मत और पुनर्निर्माण का भरोसा दिया गया था, लेकिन एक साल बाद भी यह पूरी सड़क टूटी पड़ी है। पिछले साल बाढ़ में बहे सड़क को ही बनवा दीजिए सरकार, ताकि यहां के ग्रामीणों को आवागमन की सुविधा मिल सके। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार की अकर्मण्यता से आम जनता के स्वास्थ्य का खतरा मंडरा रहा है, बारिश के बाद जलजनित बीमारियों डेंगी, मलेरिया, डायरिया का खतरा मंडरा रहा है। भाजपा की बेरुखी से बस्तर से सरगुजा तक जनता पानी में है और सरकार आराम में। छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासियों की गाढ़ी कमाई से टैक्स लेकर उन्हें नारकीय जीवन जीने के लिए छोड़ दिया गया है। मुख्यमंत्री और मंत्री केवल समीक्षा बैठकों की फोटो खिंचवा रहे हैं, धरातल पर राहत नगण्य है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि मानसून से ठीक पहले प्रदेश भर के निकायों में नालों और जल निकासी की सफाई के लिए कितना बजट जारी हुआ और उसमें से असल में कितना काम धरातल पर हुआ? राजधानी रायपुर और बिलासपुर जैसे शहरों में 'स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट' के तहत जल निकासी सुधारने के नाम पर खर्च किए गए सैकड़ों करोड़ रुपये आखिर किस नाली में बह गए? जिन आम नागरिकों, छोटे व्यापारियों और गरीबों के घरों में पानी घुसने से भारी नुकसान हुआ है, क्या सरकार उन्हें तत्काल मुआवजा देने की घोषणा करेगी? मानसून पूर्व की तैयारियों में लापरवाही बरतने वाले अफसरों और भ्रष्ट ठेकेदारों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई क्यों नहीं की गई? शहरों में जलभराव के बाद अब डेंगी, मलेरिया और डायरिया जैसी महामारियों का खतरा बढ़ गया है, इससे निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग का क्या ठोस प्लान है?

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने ली समय-सीमा की बैठक

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आज रेडक्रॉस सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागों के समय-सीमा के लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की। कलेक्टर डॉ. सिंह ने राजस्व विभाग को निर्देशित किया कि अविवादित खाता विभाजन, विवादित/अविवादित नामांतरण के दर्ज प्रकरणों का शीघ्र निराकरण किया जाए। साथ ही किसान पंजीयन और पीजी पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आरबीसी 6(4) के सभी प्रकरणों को जल्द से जल्द पूर्ण करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने एग्रीस्टेक के अंतर्गत डिजिटल क्रॉप सर्वे की प्रगति परखी और फील्ड स्तर पर शत-प्रतिशत सर्वे सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फार्मर आईडी (फार्मर रजिस्ट्री) के कार्यों की भी समीक्षा की बैठक में अंतर विभागीय एनओसी से संबंधित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा नगर निगम कार्यालय के पीछे, मुकुटनगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं आसमां पब्लिशर्स जयस्तंभ चौक रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com